INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-179 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 24 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

# जन्माष्टमी पर आसमान में सजेगी कृष्ण लीलाओं की झांकी

- 500 ड्रोन से दिखेगा कन्हैया का जन्म, लीलाओं का भव्य दृश्य
- चार सितंबर की रात नौ से दस बजे तक होगा विशेष आयोजन

**यूनिक समय, मथुरा।** भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि में इस बार जन्माष्टमी का उत्सव श्रद्धा के साथ आधुनिक तकनीक के रंग में भी नजर आएगा। जन्माष्टमी पर पहली बार 500 ड्रोन के माध्यम से आसमान में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी लीलाओं के मनोहारी दृश्य प्रदर्शित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से 5253वें श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के तहत चार सितंबर की रात विशेष ड्रोन प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है।

परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन के अनुसार, चार सितंबर की रात नौ से दस बजे के बीच ड्रोन प्रदर्शन किया जाएगा।

करीब 15 मिनट तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 500 ड्रोन एक साथ आसमान में उड़ान भरेंगे। इनके माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी विभिन्न लीलाओं से संबंधित आकृतियां और दृश्य बनाए जाएंगे। बताया गया है कि यह प्रदर्शन करीब तीन से चार किलोमीटर की दूरी तक दिखाई दे सकेगा। इससे जन्मभूमि और आसपास के क्षेत्रों में मौजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अनूठे आयोजन के साक्षी बन सकेंगे।

## जन्मभूमि की धरती के साथ आसमान भी होगा कृष्णमय

मथुरा की जन्माष्टमी का धार्मिक महत्व देश–दुनिया के कृष्ण भक्तों के लिए विशेष है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में कंस के कारागार में अवतार लिया था। इसी पावन स्मृति से जुड़ा जन्मोत्सव हर वर्ष बड़े स्तर पर मनाया जाता है। मध्यरात्रि में जन्मभूमि मंदिर में होने वाले जन्माभिषेक के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु मथुरा पहुंचते हैं। इस बार श्रद्धालुओं को जन्मभूमि परिसर के धार्मिक आयोजनों के साथ आसमान में कृष्ण लीलाओं का आधुनिक दृश्यांकन देखने का अवसर भी मिलेगा। परिषद का मानना है कि इससे धार्मिक आयोजन को नया आकर्षण मिलेगा और श्रद्धालुओं का अनुभव भी यादगार बनेगा।

## अयोध्या और सोमनाथ की तर्ज पर आयोजन

धार्मिक स्थलों पर ड्रोन प्रदर्शन अब आकर्षण का नया माध्यम बन रहा है। अयोध्या, प्रयागराज और बनारस में भी ऐसे आयोजन हो चुके हैं। गुजरात के सोमनाथ मंदिर परिसर में ड्रोन के माध्यम से मंदिर के इतिहास, भगवान शिव और भारतीय संस्कृति से जुड़े दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया स्थित सांवलिया सेठ मंदिर में भी जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं को ड्रोन के माध्यम से आसमान में उकेरा जा चुका है। जन्माष्टमी पर लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के बीच यह शो प्रमुख आकर्षण बनने की उम्मीद है।

# महंगाई : चीनी 65 रुपये किलो प्याज भी पहुंची 60 रुपये

### मिठास के बाद अब थाली पर महंगाई का हमला

### रक्षाबंधन से पहले बढ़े दामों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

**यूनिक समय, मथुरा।** रक्षाबंधन के त्योहार से पहले चीनी की मिठास के बाद अब महंगाई ने थाली पर हमला बोला है। जिले में करीब एक महीने के भीतर चीनी के दाम में तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। 46 रुपये किलो बिकने वाली चीनी अब 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है। इसी तरह प्याज के भाव भी दोगुने हो गए हैं। 30 रुपये किलो बिकने वाला प्याज अब 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है। अचानक बढ़े दामों का असर त्योहार की तैयारियों पर दिखाई देने लगा है।

रक्षाबंधन पर घरों में मिठाई और विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए जाते हैं। ऐसे में चीनी की मांग सामान्य दिनों की तुलना में बढ़ जाती है। व्यापारियों के मुताबिक, बाजार में मांग के मुकाबले चीनी की आपूर्ति कम होने से भाव लगातार बढ़ रहे हैं। चीनी मिलों और थोक कारोबारियों के पास उपलब्ध सीमित भंडार का असर भी खुदरा बाजार में दिखाई दे रहा है।

व्यापारियों के अनुसार, करीब एक महीने पहले चीनी 46 रुपये किलो बिक रही थी। इसके बाद कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई और अब खुदरा बाजार में इसके भाव 65 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। यानी एक महीने में उपभोक्ताओं को प्रति किलो करीब 18 से 19 रुपये अधिक चुकाने पड़ रहे हैं। त्योहार के लिए अधिक मात्रा में चीनी खरीदने वाले परिवारों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।

## प्याज के भाव दोगुने, बढ़ी गृहणियों की चिंता

**यूनिक समय, मथुरा।** प्याज के दामों में भी तेजी ने रसोई का खर्च बढ़ा दिया है। एक माह पहले करीब 30 रुपये किलो बिक रहा प्याज अब 60 रुपये किलो तक पहुंच गया है। बाजार में प्याज की आवक और उपलब्धता के आधार पर अलग–अलग स्थानों पर भाव में थोड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों ने आम परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। रक्षाबंधन के लिए खरीदारी करने बाजार पहुंच रहे लोगों का कहना है कि कपड़े, राखी और मिठाई के साथ अब रसोई का सामान भी महंगा हो गया है। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए त्योहार का खर्च संभालना मुश्किल हो रहा है। व्यापारियों को भी चिंता है कि यदि कीमतों में तेजी बनी रही तो त्योहार के अंतिम दिनों में ग्राहकों की खरीदारी प्रभावित हो सकती है।

# कृष्णाधाम कॉलोनी में सफाई कर्मी से मारपीट

### सफाई कर्मियों ने कूड़े की गाड़ियों से डाला कूड़ा पुलिस ने शुरू की जांच

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना सदरबाजार क्षेत्र स्थित औरंगाबाद की कृष्णाधाम कॉलोनी में सफाई कर्मी के साथ मारपीट के बाद सफाई कर्मचारियों ने गाड़ियों से भरकर कूड़ा मारपीट करने वाले के घर के सामने फैला दिया। इस मामले में दी गई तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है।

बताया गया कि नगर निगम के सफाई कर्मचारी औरंगाबाद स्थित कृष्णाधाम कॉलोनी में सफाई का कार्य करने के लिए गए थे। बताया गया कि सफाई कर्मचारी का कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति से कहा सुनी हो गई। दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि मामला मारपीट पर पहुंच गया। सफाई कर्मचारी के साथ कॉलोनी में हुई मारपीट का पता लगने पर नगर निगम की कूड़ा गाड़ी वहां आ गई और मारपीट करने वाले के घर के सामने कूड़े का ढेर लगा दिया। घटना के बाद कॉलोनी में तरह–तरह की चर्चाएं हैं। बताया गया कि सफाई कर्मचारी ने इस मामले में थाना सदर बाजार में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## ट्रांसफार्मर चोर गिरफ्तार, 12 किलो तार बरामद

**यूनिक समय, मथुरा।** गोवर्धन पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 किलो तांबे का तार बरामद किया है। पुलिस ने भिक्को उर्फ सतीशचंद निवासी धीमश्री चक्की के पास थाना शमशाबाद आगरा को भरतपुर मोड़ से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 किलो चोरी का तांबे का तार बरामद किया है।

# स्कूली बच्चों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने पर जोर

ब्रज वैभव अभियान के अन्तर्गत विद्यालय प्रबंधकों के साथ बैठक करते डीएम चंद्र प्रकाश सिंह।

### डीएम ने दिए महीने में दो दिन विद्यालयों में श्रमदान कराने के निर्देश

**यूनिक समय, मथुरा।** ब्रज वैभव अभियान को गति देने के लिए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिले के 100 से अधिक विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों की बैठक हुई। इसमें मथुरा–वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

डीएम ने कहा कि विद्यालयों में नियमित स्वच्छता अभियान चलाया जाए और विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और पौधारोपण के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में महीने में कम से कम दो दिन श्रमदान कराने का आह्वान किया, ताकि बच्चों में स्वच्छता के साथ जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो। उन्होंने कहा कि ब्रज वैभव अभियान केवल प्रशासन तक सीमित नहीं है। इसमें संत समाज, शिक्षक, विद्यार्थी और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को अभियान का हिस्सा बनाकर उनके माध्यम से समाज में स्वच्छता का संदेश पहुंचाया जा सकता है। बैठक में हार्टफुलनेस फाउंडेशन के जिला समन्वयक एवं सनराइज पब्लिक स्कूल के प्रबंधक निशांत शर्मा ने ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए लोगों से यहां की पवित्रता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को भी सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाना चाहिए। बैठक में सीबीएसई के जिला समन्वयक शैलेंद्र सिंह ग्रेवाल, मथुरा इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन के पदाधिकारी और विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी विद्यालयों से स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और श्रमदान गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने का आह्वान किया गया।

आपके शहर की हर हलचल,
आपके गली-मोहल्ले की हर खबर
अब आपके फोन पर सिर्फ एक क्लिक में
यूनिक समय हर खबर समय पर...
अब खबरें आएँगी सीधे आपके फोन पर!
सिर्फ हमारे WhatsApp News Channel पर!
अभी QR कोड स्कैन करें और हर खबर से जुड़े रहें
@UniqueSamayNews
Follow channel

9193343351
289-290 Unique building Near Krishna Nagar Chowk Mathura (UP) - 281004

# सावन के अंतिम सोमवार को शिवमय हुई कान्हा नगरी

सावन के अंतिम सोमवार को शहर के भूतेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक करते श्रद्धालु।

शहर के गोविंद नगर स्थित गर्तेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

अर्द्धनारीश्वर के रूप में दर्शन देते भूतेश्वर महादेव। गोकर्णनाथ महादेव का सजा फूल बंगला।

**यूनिक समय, मथुरा।** सावन के अंतिम सोमवार को कान्हा की नगरी भगवान शिव की भक्ति में डूबी रही। भोर की पहली किरण के साथ ही शहर से लेकर गांव–कस्बों तक शिवालयों में हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयघोष गूंजने लगे। मंदिरों में घंटे–घड़ियालों की ध्वनि, शिव स्तुतियों और वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

सुबह होते ही शहर के रंगेश्वर, भूतेश्वर सहित प्रमुख शिव मंदिरों में

## भोर से ही शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

## डाक कांवड़ियों ने गंगाजल चढ़ाकर किया जलाभिषेक

भक्तों की कतारें लग गईं। हाथों में गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और पूजन सामग्री लिए श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। भक्तों ने भगवान शिव को गंगाजल, दूध और पंचामृत अर्पित कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। मंदिरों में महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

डाक कांवड़ियों के जत्थे भी विभिन्न मार्गों से शिवालयों तक पहुंचे। कांवड़ियों ने बैंड-बाजों और डीजे पर बजने वाले भजनों, बम–बम भोले और हर–हर महादेव के जयकारों के बीच भगवान शिव को गंगाजल अर्पित कर जलाभिषेक किया। कई स्थानों पर स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। मंदिरों के आसपास प्रसाद, फूल–बेलपत्र और पूजन सामग्री की दुकानें सजी रहीं।

वृंदावन के गोपेश्वर महादेव मंदिर समेत ब्रज के प्राचीन शिवालयों में भी दिनभर आस्था का सैलाब उमड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में विशेष पूजा और अभिषेक हुए। महिलाओं ने शिव–पार्वती की पूजा कर परिवार में सुख–शांति की प्रार्थना की। कई श्रद्धालुओं ने पूरे दिन उपवास रखकर महादेव की आराधना की। शाम होते ही मंदिरों में दीप जलाए गए और विशेष आरती हुई। भजन–कीर्तन और शिव स्तुतियों से देर रात तक वातावरण गूंजता रहा। सावन के अंतिम सोमवार पर पूरे ब्रज मंडल में आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम दिखाई दिया। हर दिशा से उठते हर–हर महादेव के जयघोष ने पूरी कान्हा नगरी को शिवमय कर दिया।

# वर्षा ने भिगोया तन फसलों को मिला अमृत

## लंबे इंतजार के बाद बरसे बादल, उमस से मिली राहत

## धान समेत खरीफ फसलों को मिली जीवनदायिनी नमी

**यूनिक समय, मथुरा।** लंबे इंतजार के बाद सोमवार को मौसम ने करवट बदली तो जिले के अधिकांश हिस्सों में वर्षा हो गई। कहीं तेज तो कहीं रिमझिम बारिश ने लोगों को उमस और गर्मी से राहत पहुंचाई। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। ठंडी बयार चलने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश के चलते सड़कों और गलियों में पानी भरने से कुछ स्थानों पर आवागमन भी प्रभावित हुआ। वहीं, अधिकतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 35 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।

कई दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए सोमवार की वर्षा राहत लेकर आई। खेतों में खड़ी धान, बाजरा, ज्वार और अन्य खरीफ फसलों को पर्याप्त नमी मिलने से पौधों में नई जान आ गई। किसानों का कहना है कि इस समय फसलों को पानी की बेहद जरूरत थी। बारिश होने से सिंचाई पर होने वाला खर्च भी कम होगा। विशेष रूप से धान की फसल के लिए यह वर्षा उपयोगी मानी जा रही है।भोर से सुबह तक रुक–रुककर हुई बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट महसूस की गई। बाजारों में सामान्य दिनों की अपेक्षा चहल–पहल कम रही, हालांकि बारिश थमने के बाद लोग जरूरी काम से घरों से बाहर निकले।

किसानों के अनुसार, यदि आने वाले दिनों में भी समय–समय पर अच्छी वर्षा होती रही तो खरीफ फसलों की स्थिति और बेहतर हो सकती है। वहीं, वर्षा ने गर्मी से परेशान लोगों के साथ किसानों के चेहरों पर भी उम्मीद की चमक ला दी है।

उधर, मौसम विभाग ने आगामी दिनों में आसमान पर बादल छाए रहने और वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, आगामी दिनों में मौसम और राहत दे सकता है।

# रक्षाबंधन पर अब तीन दिन महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा

**यूनिक समय, मथुरा।** रक्षाबंधन के पर्व पर उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को बड़ी राहत देने की तैयारी की है। राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाएं 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्य रात्रि तक निशुल्क यात्रा कर सकेंगी। महिला यात्री के साथ एक सहयोगी को भी बिना किराये यात्रा की सुविधा मिलेगी। इससे जिले से जाने वाली और आने वाली महिलाओं को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है।

रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में महिलाएं मायके जाती हैं। पर्व के बाद उनकी वापसी भी शुरू हो जाती है। ऐसे में तीन दिन तक मुफ्त बस यात्रा की सुविधा से महिलाओं पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा। मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र में इसका लाभ स्थानीय यात्रियों के साथ बाहर से आने वाली महिलाओं को भी मिल सकता है। शासन ने रक्षाबंधन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को महिलाओं की सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मथुरा–वृंदावन में पर्व के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए बस अड्डों और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और यातायात विभाग को भी विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। निजी बसों, आटो और टैक्सी चालकों के सत्यापन पर भी जोर दिया गया है। रक्षाबंधन पर तीन दिन बस में निशुल्क यात्रा की सुविधा जिले की महिलाओं के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है।

## हाईवे पर बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे क्षेत्र में आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के संबंध में पुलिस ने अज्ञात मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता विष्णु शर्मा के अनुसार, उनके पिता चुन्नीलाल 17 अगस्त की शाम अनाज मंडी, मथुरा से काम समाप्त कर घर लौट रहे थे। वह आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी के निकट नेशनल फ्लाईओवर की ओर जाने के लिए सड़क के किनारे चल रहे थे। इसी दौरान आगरा की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही मोटरसाइकिल के चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चुन्नीलाल सिंह गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद पुलिस की मदद से उन्हें उपचार के लिए जीवन प्लस हॉस्पिटल, राधिका विहार ले जाया गया। गंभीर चोटों के कारण उसी रात करीब आठ बजे उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

# उड़ीसा से मथुरा पहुंच रहा गांजा, दूसरे जिलों में खप रहा

## गांजा तस्करी के नेटवर्क पर पूरी तरह नहीं लग पा रही लगाम

## बल्देव के तस्कर की संपत्ति हो चुकी कुर्क जारी है कारोबार

**यूनिक समय, मथुरा।** जिले में गांजा तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई के बावजूद अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुलिस और नारकोटिक्स विभाग की कार्रवाई में बड़ी मात्रा में गांजा बरामद होने और कई तस्करों की गिरफ्तारी के बाद भी तस्करी का नेटवर्क सक्रिय रहने की बात सामने आ रही है।

बल्देव क्षेत्र के एक गांजा तस्कर की करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क किए जाने के बाद भी कारोबार पर पूरी तरह से विराम नहीं लग सका है।

पुलिस कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए तस्करों से गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि उड़ीसा से गांजा ट्रेनों, ट्रकों और अन्य वाहनों के माध्यम से मथुरा तक पहुंचाया जाता है। इसके बाद यहां से आसपास के कई जिलों में इसकी आपूर्ति किए जाने की जानकारी पुलिस को मिली है। इनमें अलीगढ़, हाथरस, आगरा और भरतपुर सहित अन्य जिले शामिल बताए जा रहे हैं।

### संदेश के जरिये तय होता है गांजे का ठिकाना

**यूनिक समय, मथुरा।** जांच के दौरान पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि गांजा लाने वाले लोगों से संदेश के माध्यम से संपर्क किया जाता है। उन्हें गांजा कहां से लाना है और किस स्थान पर उतारना है, इसकी जानकारी दी जाती है। पुलिस के हत्थे चढ़े कुछ तस्करों से पूछताछ में इस तरह की जानकारी सामने आई, लेकिन नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में पुलिस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

### 23 दिन में 2.72 क्विंटल से अधिक गांजा बरामद

**यूनिक समय, मथुरा।** जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान अगस्त के शुरुआती 23 दिनों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। फरह, रिफाइनरी, गोविंदनगर, जैंत, गोवर्धन, मांट, हाईवे, वृंदावन कोतवाली, यमुनापार और बल्देव थाना पुलिस ने गांजा रखने और तस्करी के आरोप में 26 लोगों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से दो कुंतल 72 किलो 830 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि जिले में गांजा तस्करी का नेटवर्क कितना सक्रिय है। इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की बरामदगी के बावजूद इसके स्रोत और आपूर्ति तंत्र तक पूरी तरह पहुंचना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। लगातार हो रही कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप जरूर है, लेकिन नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए बड़े तस्करों और उनके सहयोगियों तक पहुंचना जरूरी माना जा रहा है।

# श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल का त्रैवार्षिक निर्वाचन कल

**यूनिक समय, मथुरा।** श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल (पंजीकृत), मथुरा एवं मंडल द्वारा संचालित संस्थाओं का त्रैवार्षिक निर्वाचन 2026–29 मंगलवार, 25 अगस्त को होगा। मुख्य चुनाव अधिकारी सुभाष चंद अग्रवाल ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कार्यालय चंपा अग्रवाल विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल, मथुरा में संपन्न होगी। उन्होंने मंडल के सभी सम्मानित सदस्यों से निर्धारित समय पर पहुंचकर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। निर्वाचन को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सदस्यों से चुनाव संबंधी नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से मतदान करने का अनुरोध किया गया है।

# बिजली चोरी पर विभाग का शिकंजा, 11 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

**यूनिक समय, चौमुहां।** बिजलीघर क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। अधिशासी अभियंता कोसी सुरेंद्र पाल सिंह के निर्देश पर तरौली और अकबरपुर में छापेमारी की गई। जांच में तरौली स्थित डेयरी उत्पादन प्लांट, अकबरपुर का आरओ प्लांट और तरौली रोड स्थित ढाबा बिना वैध विद्युत संयोजन के चलते मिले। तीनों के खिलाफ एंटी पावर थेफ्ट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। अभियान में कुल 11 प्रकरणों में कार्रवाई हुई। उपखंड अधिकारी सर्वज्ञ श्रीवास्तव ने बताया कि बिजली चोरी और बढ़ते भार पर नियंत्रण के लिए अभियान जारी रहेगा। टीम में अवर अभियंता अश्विनी कुमार तथा संविदाकर्मी मोहन और राजवीर शामिल रहे।

# किशोरी हत्याकांड की दोनों आरोपी किशोरियां बाराबंकी भेजी

**यूनिक समय, मथुरा।** वृंदावन के चैतन्य विहार स्थित राजकीय बालिका संरक्षण गृह में किशोरी की हत्या के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपी किशोरियों को सोमवार दोपहर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया। सुनवाई के बाद बोर्ड ने दोनों किशोरियों को बाराबंकी स्थित बाल संप्रेक्षण गृह भेजने के आदेश दिए। पुलिस सुरक्षा में दोनों को बाराबंकी ले जाया जा रहा है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को संरक्षण गृह में बरेली निवासी किशोरी की दो अन्य किशोरियों ने कथित रूप से बाथरूम में बाल्टी में डुबोकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद शुरू में किशोरी की मौत सामान्य प्रतीत हुई थी। दोनों आरोपी किशोरियां भी घटना के बाद उसके लिए रो रही थीं और शोर मचा रही थीं। बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण पानी में डूबने और दम घुटने से सामने आया। इसके बाद मामले की गंभीरता बढ़ गई। बालिका संरक्षण गृह

### पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने और दम घुटने से मौत की पुष्टि

की अधीक्षिका प्रगति खरे की ओर से अलीगढ़ और पीलीभीत निवासी दोनों किशोरियों के अलावा तीन अन्य के खिलाफ साजिश का आरोप लगाते हुए वृंदावन कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान दोनों आरोपी किशोरियों को अभिरक्षा में लिया और सोमवार को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया। बोर्ड ने मामले की परिस्थितियों को देखते हुए दोनों को बाराबंकी के बाल संप्रेक्षण गृह भेजने के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि हत्या के पीछे क्या कारण था और इसमें अन्य लोगों की भूमिका थी या नहीं।

# गोविंद नगर क्षेत्र में युवती से छेड़छाड़

**यूनिक समय, मथुरा।** गोविंद नगर थाना क्षेत्र में युवती से छेड़छाड़, रास्ता रोकने, मानसिक उत्पीड़न और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ पिछले करीब दो वर्षों से दर्शन चौधरी नामक व्यक्ति कथित तौर पर रास्ता रोककर छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करता आ रहा है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी युवती को परेशान करने के साथ मोबाइल फोन पर धमकी भी देता है और परिवार के लोगों को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का आरोप है। आरोप है कि 30 मई को बानिगांव क्षेत्र में आरोपी ने अपने साथियों के साथ युवती के साथ मारपीट, अभद्रता और स्कूटी छीनने का प्रयास किया था। इस घटना की शिकायत नोगांव चौकी में किए जाने की बात एफआईआर में दर्ज है। पुलिस के अनुसार उस समय आरोपी को चेतावनी देकर मामला शांत कराया गया था। शिकायतकर्ता ने अपनी बेटी और परिवार की सुरक्षा की चिंता जताते हुए आरोपी और उसके सहयोगियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

## गैंगस्टर गिरफ्तार

**यूनिक, समय, जैंत।** पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवक आदिल निवासी नगला डैहर थाना बरसाना गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने अभियुक्त को आझई पुल के समीप से गिरफ्तार किया है।

# ड्यूटी से लौटते युवक की हादसे में मौत, परिवार में कोहराम

**यूनिक समय, मथुरा।** कोसीकलां बाइपास पर बीती रात ड्यूटी करके घर लौटते एक व्यक्ति को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। कोसीकलां के मीना नगर निवासी पवन (24) पुत्र मुकेश पलवल हरियाणा में किसी कंपनी में नौकरी कर रहा था। बीती रात वह ड्यूटी करने के बाद वह कोसीकलां के लिए लौट रहा था। बाईपास पर वह वाहन से उतरकर मीनी नगर के लिए जा रहा था, इसी दौरान किसी तेज गति से आते वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर घायल पवन की मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पवन की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

# मांट पुलिस ने दो शराब तस्कर किए गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में पकड़े गए आरोपित, बरामद सफारी, शराब और नकदी।

**यूनिक समय, मांट।** मांट पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस- वे के टोल प्लाजा के सामीप से शराब तस्करी करने वाले दो युवकों को सफारी कार और 8.99 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया है।

मांट पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस-वे के टोल प्लाजा के समीप चेकिंग के दौरान वहां से जाती एक सफेद रंग की सफारी गाड़ी को रोका। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी की तो उसमें 18 बोतल अंग्रेजी शराब हरियाणा मार्का मिली। पुलिस ने तलाशी की तो 8.99 लाख रुपये भी पुलिस को मिले। अभियुक्त संजय कुमार निवासी बनगर थाना दन्नाहार

### सफेद रंग की सफारी अंग्रेजी शराब और 8.99 लाख रुपये किए बरामद

मैनपुरी, अभिषेक उर्फ पवन निवासी नोनेरा ईश्वरपुर थाना दन्नाहार जिला मैनपुरी ने पुलिस को बताया कि दोनों शराब की तस्करी करते हैं। बरामद रकम भी शराब तस्करी से कमाई गई है। पुलिस ने सफेद रंग की सफारी और शराब की बोतलों, नकदी को जब्त कर उनके खिलाफ आबकारी एक्ट में कार्रवाई की है।

# फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के आरोप में दो नामजद

**यूनिक समय, मथुरा।** कोतवाली थाना क्षेत्र में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र तैयार करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामला जनरलगंज स्थित जनसेवा केंद्र से जुड़ा बताया गया है। शिकायतकर्ता शकील निवासी बागड़ फार्म दिल्ली रोड मथुरा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब एक वर्ष पहले उसने अपने बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र जनरलगंज स्थित जनसेवा केंद्र से बनवाए थे। बाद में 10 जुलाई 2026 को वह इन्हीं जन्म प्रमाणपत्रों के आधार पर बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए आधार केंद्र पहुंचा। वहां उसे बताया गया कि तीनों जन्म प्रमाणपत्र फर्जी हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि इसके बाद उसने जन्म प्रमाणपत्रों को अन्य स्थानों पर भी दिखाया, जहां उन्हें फर्जी बताया गया। आरोप है कि जब वह संबंधित जनसेवा केंद्र पर पहुंचा तो पता चला कि वहां काम करने वाले दोनों लोग केंद्र बंद कर कहीं चले गए हैं। शिकायतकर्ता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मामले में संजय सैनी और राजीव सैनी को नामजद किया गया है, दोनों टीला संतदास, जनरलगंज के निवासी हैं। पुलिस अब मामले से जुड़े दस्तावेजों और आरोपों की जांच कर रही है।

# वर्षा से हाइवे के सर्विस मार्ग पर जलभराव

सोमवार को हुई वर्षा से अनाज मंडी में हुआ जलभराव।

टाउनशिप को हाइवे से जोड़ने वाले सर्विस मार्ग पर भरे पानी से निकलते वाहन।

बाद गांव से टाउनशिप आ रहे सर्विस मार्ग पर हुआ जलभराव का दृश्य।

**यूनिक समय, मथुरा।** सोमवार को भोर से सुबह तक हुई वर्षा ने जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं शहर के कई हिस्सों में जलभराव ने परेशानी बढ़ा दी। हाइवे के टाउनशिप क्षेत्र से नवादा होते हुए अनाज मंडी तक जाने वाले सर्विस मार्ग पर जगह-जगह पानी भर गया। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों और वाहन चालकों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा।

जयगुरुदेव मंदिर और महोली रोड सर्विस मार्ग पर कई स्थानों पर सड़क के गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की स्थिति का अंदाजा नहीं हो पा रहा था। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई।

## टाउनशिप मार्ग पर पानी भरने से आवागमन हुआ प्रभावित

## मंडी परिसर में जलभराव से आढ़ती-मजदूर रहे परेशान

कई वाहन चालक मुख्य मार्ग की ओर जाने को मजबूर हुए, जिससे यातायात का दबाव भी बढ़ गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि बारिश के बाद सर्विस मार्ग पर जलभराव की समस्या नई नहीं है।

थोड़ी देर की बारिश में ही यहां पानी जमा हो जाता है और काफी समय तक निकासी नहीं हो पाती।

उधर, अनाज मंडी परिसर में भी बारिश का पानी भरने से आढ़तियों और मजदूरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मंडी में आने-जाने वाले किसानों और श्रमिकों को पानी से होकर निकलना पड़ा।

कई स्थानों पर कीचड़ होने से फिसलन बढ़ गई। अनाज और अन्य कृषि उपज को भी पानी से बचाने के लिए आढ़तियों को अतिरिक्त इंतजाम करने पड़े। व्यापारियों का कहना है कि मंडी में जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति बनती है। उन्होंने संबंधित विभाग से नालियों की सफाई और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो बरसात के दौरान समस्या और गंभीर हो सकती है।

# सड़कों पर जाम का हा-हाकार

श्रीजी बाबा आश्रम के जाम में फंसे वाहन।

## श्रीजी बाबा आश्रम के सामने फंसे रहे वाहन

## ट्रैफिक पुलिस को करनी पड़ी भारी मशक्कत

## कचहरी पर भी लगा जाम सड़क पर फंसे रहे वाहन

**यूनिक समय, मथुरा।** सोमवार को शहर में भूतेश्वर तिराहे से जन्मस्थान की ओर जाने वाले मार्ग पर लगने वाले जाम के चलते वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जाम में काफी देर तक लोग फंसे रहे।

भूतेश्वर तिराहा से जन्मस्थान की ओर जाने वाले मार्ग पर श्रीजी बाबा आश्रम के समीप जाम लग गया। जाम लगने का कारण अमरनाथ विद्या आश्रम से आने वाले और जाने वाले मार्ग के लिए पुल से आगे जाने वाले दुपहिया वाहन चालकों ने अपने वाहनों को गलत तरीके से फंसा दिया। इसके चलते जन्मस्थान से भूतेश्वर की ओर आने वाले वाहन और अमरनाथ की ओर से आने वाले वाहन बुरी तरह से फंस गए। इससे अमरनाथ विद्या आश्रम तक वाहनों की लाइन लग गई। इसी तरह पुल के अंदर भी दोनों ओर से आने वाले वाहन फंस गए। इसके चलते इस मार्ग पर काफी देर तक जाम लगा रहा। इस क्षेत्र में ट्रैफिक ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों ने जाम को खुलवाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, इसके बाद ही जाम खुल सका। कचहरी को जाने वाले मार्ग पर भी काफी देर तक जाम लगा रहा। इसके चलते लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सोमवार को खुले कार्यालय और कोर्ट के लिए आने वाले लोगों के वाहनों और शहर से औरंगाबाद और आगरा की ओर जाने वाले वाहनों का दबाव अचानक इस रोड पर बढ़ गया। हालांकि यहां ट्रैफिक के पर्याप्त पुलिस कर्मियों की ड्यूटी रहती है। इसके बाद भी आज जाम लगने के कारण वन विभाग को जाने वाले मार्ग तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। ऐसा ही हाल हैड पोस्टऑफिस वाले मार्ग पर रहा। यहां भी वाहन जाम में फंस गए। पेट्रोल पंप से तहसील तक के मार्ग में तो हर समय जाम जैसे हालत बने रहते हैं। वजह सड़क के दोनों ओर खड़े होने वाले चार पहिया और दुपहिया वाहन है। जाम खुलवाने के लिए ट्रैफिक पुलिस परेशान रही।

## पैसों को लेकर साले से विवाद, जान से मारने की धमकी का आरोप

**यूनिक समय, छाता।** थाना क्षेत्र के ग्राम सिहाना व्यक्ति ने अपने साले पर पैसों को लेकर विवाद करने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पुलिस को दी गई शिकायत में मोहन सिंह ने बताया कि जयप्रकाश पुत्र स्व. मोती सिंह, निवासी गोविंदनगर, मथुरा उसका साला है। जयप्रकाश पर उसके पैसे थे।

जब उसने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोप है कि जयप्रकाश ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कुछ अज्ञात व्यक्ति उसका पीछा कर रहे हैं। उसने पुलिस को बताया कि उसे इन लोगों से अपनी जान-माल का खतरा है। शिकायत में जयप्रकाश को शातिर किस्म का व्यक्ति बताते हुए उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। मोहन सिंह के अनुसार, उसकी नई स्विफ्ट डिजायर कार को मांगकर ले जाया गया था, कार जयप्रकाश के पास होने की बात कही गई है।

# गोवर्धन में सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

## अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा

**यूनिक समय, गोवर्धन।** थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाने के कारण हुए सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना सात अगस्त शाम की है।

हाथरस जिले के सहपऊ थाना क्षेत्र के महरारा निवासी वीरेंद्र कुमार गौतम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई राधाबल्लभ गौतम मोटरसाइकिल से छटीकरा होते हुए गोवर्धन की ओर जा रहा था। जैसे ही वह जुल्हैंदी रेलवे फाटक से कुछ आगे पहुंचा, उसी समय गोवर्धन की ओर से आ रही मोटरसाइकिल के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत हाथ पर आकर राधाबल्लभ की मोटरसाइकिल में सामने से टक्कर मार दी। हादसे में राधाबल्लभ को गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन में भर्ती कराया। हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां 11 अगस्त को उसकी मौत हो गई। पुलिस हादसे के कारणों और बाइक चालक की पहचान के संबंध में जांच कर रही है।

# टेंपो की टक्कर से महिला की मौत चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**यूनिक समय, गोवर्धन।** छटीकरा-राधाकुंड रोड पर कुंजीलाल तिराहे के पास तेज रफ्तार टेंपो की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार महिला गंभीर घायल हो गई। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। घटना के संबंध में थाने में अज्ञात टेंपो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना 11 अगस्त दोपहर करीब 1:30 बजे की है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपनी मां प्रेमवती के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव से राधाकुंड बैंक की ओर पैसे निकालने जा रहा था। इसी दौरान छटीकरा-राधाकुंड रोड पर कुंजीलाल तिराहे के पास उसने मोटरसाइकिल को सड़क किनारे खड़ा किया और फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे टेंपो के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर के कारण मोटरसाइकिल भी चपेट में आ गई और उस पर सवार प्रेमवती गंभीर घायल हो गईं। हादसे में वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों की मदद से घायल महिला को सरकारी अस्पताल गोवर्धन ले जाया गया। वहां से हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें केडी अस्पताल, मथुरा रेफर किया गया। इसके बाद बेहतर उपचार के लिए महिला को एसएमएस अस्पताल, जयपुर ले जाया गया। 13 अगस्त को प्रेमवती की मौत हो गई। प्राथमिकी पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# बाजार में भाई-बहन थीम वाले कपड़ों की बढ़ी मांग

## भाई-बहन की जोड़ी वाले परिधानों ने खींचा ग्राहकों का ध्यान

## रक्षाबंधन से पहले बाजार में बढ़ी ऐसे कपड़ों की पूछ

**यूनिक समय, मथुरा।** रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही बाजारों में खरीदारी का उत्साह बढ़ने लगा है। इस बार भाई-बहन के रिश्ते को खास अंदाज में जाहिर करने वाले कपड़े भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। बाजार में बच्चों से लेकर युवाओं तक के लिए रक्षाबंधन थीम पर आधारित कपड़ों की विभिन्न रेंज उपलब्ध है।

दुकानों पर भाई-बहन के प्यार और रिश्ते को दर्शाने वाली टी-शर्ट, ड्रेस और अन्य परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। इन कपड़ों पर 'मेरी प्यारी बहना', 'बेस्ट ब्रदर' और 'बेस्ट सिस्टर' जैसे संदेश लिखे हुए हैं। रंग-बिरंगे डिजाइन और आकर्षक प्रिंट इन परिधानों को खास बना रहे हैं। छोटे बच्चों के लिए ऐसे कपड़ों की मांग सबसे अधिक बताई जा रही है। अभिभावक रक्षाबंधन के दिन बच्चों को पारंपरिक पोशाक के साथ थीम आधारित टी-शर्ट और ड्रेस पहनाने में रुचि दिखा रहे हैं। कई परिवार भाई-बहन के लिए एक जैसे या मैचिंग कपड़े भी खरीद रहे हैं।

शहर के राधा नगर स्थित गारमेंट्स के दुकानदार गौरव और लोकेश देवनानी ने बताया कि त्योहार को लेकर ग्राहकों में खासा उत्साह है। रक्षाबंधन से जुड़े कपड़ों की बिक्री में पिछले दिनों तेजी आई है। लोगों की रक्षाबंधन को लेकर अलग ही डिमांड देखने को मिल रही है। लोग जोड़ी वाले कपड़े, पेयर या फिर रक्षाबंधन से संबंधित स्लोगन और स्टेटस वाले कपड़े लेना पसंद कर रहे हैं। इसको लेकर दुकान पर भी स्टॉक भर लिया गया है। वहीं, ऑनलाइन भी लोग अपनी पसंद के डिजाइन और संदेश वाले परिधान मंगवा रहे हैं। त्योहारी खरीदारी बढ़ने से बाजारों में रौनक भी दिखाई देने लगी है।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
**कार्यालयः-** यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
**फोन नंबर-0565-3550761**
**मो. 9837155888**
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# युवा रोजगार पाने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें

## जीएलए के उद्यमिता सेमिनार में नवाचार स्टार्टअप और स्वरोजगार पर हुआ मंथन

**यूनिक समय, मथुरा।** विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय और रोजगार भारती के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें युवाओं को पारंपरिक नौकरी की सोच से आगे बढ़कर अपने विचारों को व्यवसाय और रोजगार सृजन के अवसर में बदलने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवा अपनी प्रतिभा, तकनीकी ज्ञान और रचनात्मक सोच का उपयोग कर समाज की समस्याओं के समाधान तलाशें और उन्हें व्यावहारिक रूप दें।

जीएलए विश्वविद्यालय में आयोजित उद्यमिता सेमिनार में विद्यार्थियों को उद्यमिता के गुर बताते विशेषज्ञ ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संपर्क प्रमुख डॉ. हरीश रौतेला ने कहा कि सफल उद्यम की शुरुआत किसी वास्तविक समस्या की पहचान और उसके समाधान से होती है। युवाओं को अपने कौशल और तकनीकी क्षमता का उपयोग समाज की आवश्यकताओं को समझने में करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नए विचारों पर काम करने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि आरके एग्रोएक्सपोर्ट के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, मॉर्निंग ब्रू और कोफेलो के संस्थापक निदेशक गौरव वार्ष्णेय ने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों के नए विचारों को उचित मार्गदर्शन और मंच मिले तो वे बड़े उद्यम का रूप ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि विचारों को केवल चर्चा तक सीमित रखने के बजाय उन्हें उत्पाद या सेवा में बदलने की दिशा में प्रयास होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि टेकमैन बिल्डवेल के निदेशक नीरव निमेष ने उद्यमिता के व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यवसाय शुरू करने के लिए हमेशा बड़े निवेश की जरूरत नहीं होती। किसी समस्या का प्रभावी समाधान भी अच्छे उद्यम की नींव बन सकता है। विद्यार्थियों को बाजार की मांग, तकनीक और उपभोक्ताओं की जरूरत को समझकर आगे बढ़ना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, ब्रज प्रांत के प्रांत संपर्क प्रमुख प्रमोद चौहान ने युवाओं में स्वावलंबन और उद्यमशीलता की भावना विकसित करने को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि युवा अपने लिए रोजगार के अवसर तैयार करने के साथ अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं।

जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार सृजनकर्ता बनने के लिए भी तैयार कर रहा है। इसके लिए समय-समय पर कार्यशालाएं, प्रशिक्षण और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि कई विद्यार्थी अपने अभिनव विचारों को प्रारूप में विकसित कर स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम में सीएसईडी के सह निदेशक पुष्कर शर्मा, कुलपति के विशेष कार्याधिकारी गौरव शर्मा, प्रौद्योगिकी व्यवसाय उद्भवन केंद्र के उपाध्यक्ष रवि तिवारी सहित अन्य अतिथि और विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन रोजगार भारती के मथुरा विभाग संयोजक प्रदीप अग्रवाल ने किया। आयोजन में दीपांश गोयल, दीपक शर्मा, भूमिका अग्रवाल, कीर्ति यदुवंशी, अनमोल शर्मा, उत्कर्ष अग्रवाल और अक्षत गुप्ता सहित अन्य का सहयोग रहा। पुष्कर शर्मा ने अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

## मकान में घुसकर मारपीट का आरोप, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**यूनिक समय,मथुरा।** कोतवाली थाना क्षेत्र के जनरल गंज स्थित रामदास का वाड़ा में किराये के मकान में रहने वाले एक मजदूर ने पांच लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने, गाली-गलौज करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। श्यामबाबू, निवासी गांव ब्यौही, थाना सुरीर ने बताया कि गांव दूर होने के कारण वह जनरल गंज स्थित रामदास के वाड़ा में किराये पर कमरा लेकर मजदूरी करता है।

आरोप है कि छह मई की रात करीब एक से दो बजे के बीच वह अपने कमरे में सो रहा था। इसी दौरान गौरव शर्मा उसके कमरे में पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद गौरव ने अपने भाई कृष्णा, राजकुमार, आशा और मधु को भी मौके पर बुला लिया। सभी ने एकराय होकर लाठी-डंडों से मारपीट की। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने वरिष्ठ अधिकारियों और न्यायालय का रुख किया।

## स्कूली वाहनों की फिटनेस तीन दिन में कराने के निर्देश

### बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं, नियमों का पालन अनिवार्य

**यूनिक समय, मथुरा।** 'मिशन सेफ फ्यूचर 2.0' के तहत सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन समिति की बैठक हुई। बैठक में स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा और वाहनों के मानकों पर चर्चा की गई।

डीएम ने स्पष्ट कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्कूली वाहनों के संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिन विद्यालयों के वाहनों की फिटनेस अभी तक नहीं हुई है, उन्हें तीन दिन के भीतर परिवहन कार्यालय से फिटनेस प्रमाणित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्कूल बस और अधिकृत वाहन में प्राथमिक उपचार पेटी, सीट बेल्ट और अग्निशामक यंत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें। खिड़कियों पर सुरक्षा जाली लगी होनी चाहिए। वाहन चालकों के पास कम से कम पांच वर्ष पुराना भारी वाहन चलाने का लाइसेंस होना जरूरी है। सभी चालकों का समय-समय पर नेत्र परीक्षण, पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाण पत्र भी कराया जाए।

विद्यालयों को चालकों की हर माह बैठक और परामर्श कराने के निर्देश दिए गए, ताकि वे यातायात नियमों और बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार को लेकर जागरूक रहें। ऐसे वाहनों का पंजीकरण भी निरस्त कराने को कहा गया, जो विद्यालय संचालन में नहीं हैं या कबाड़ में कट चुके हैं। बैठक में सड़क सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए डिजिटल पुस्तकालय और विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया। अभिभावकों के साथ बैठक कर सुरक्षित आवागमन के नियमों की जानकारी देने पर भी जोर दिया गया।

## धोखाधड़ी में वांछित शातिर को पुलिस ने भेजा जेल

**यूनिक समय, गोवर्धन।** एसएसपी के निर्देशन में चलाये जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान में गोवर्धन पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई। जमीन की धोखाधड़ी व कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उनका गलत इस्तेमाल करने के मामले में राधाकुण्ड निवासी युवक मुकेश मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वादी बिहारी लाल मिश्रा निवासी राधाकुंड द्वारा शिकायत की गयी थी की उनके रिहायशी मकान व खेती की जमीन को हड़पने के उद्देश्य से बिना उनकी सहमति से जमीन का सौदा कूट रचित दस्तावेज के आधार पर कर दिया था, गाली- गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मुकेश व अखिलेश, रेखा निवासी राधाकुंड, राधाबल्लभ कौशिक निवासी गोवर्धन, प्रदीप कुमार अग्रवाल निवासी राधाकुंड, विकास, कृष्ण गोपाल निवासी राधाकुंड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने सोमवार को अभियुक्त मुकेश मिश्रा को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

## मकान के विवाद में दिव्यांग से मारपीट तीन नामजद समेत चार पर मुकदमा

**यूनिक समय, मथुरा।** जैत थाना क्षेत्र के चौमुहां गांव में मकान के कब्जे को लेकर हुए विवाद में एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों समेत चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में चौमुहां निवासी गंगाराम ने बताया कि वह दिव्यांग है, उसने गांव के जुझार मोहल्ले में मकान को 31 जुलाई 2026 को 12 लाख 48 हजार रुपये में खरीदकर कब्जा लिया था, मकान की चाबी उसके पास थी। 10 अगस्त को गनपत उर्फ गप्पो ने मकान का ताला तोड़कर अपना ताला लगा दिया। आरोप है कि 18 अगस्त की रात गनपत उर्फ गप्पो अपने पुत्र विक्रम उर्फ विक्की, राहुल और एक अन्य व्यक्ति के साथ रस्सी- डंडे लेकर उसके घर पहुंचा। विक्रम उर्फ विक्की ने उसके गले में रस्सी डालकर पीछे की ओर खींचा, जबकि अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की। घर से बाहर ले जाकर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पत्नी शशि देवी, पुत्री और किरायेदार ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। पुलिस को सूचना देने के लिए 112 नंबर पर फोन किया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा।

## रास्ते में रोककर युवक से की मारपीट, जान से मारने की धमकी

**यूनिक समय, मथुरा।** जैत थाना क्षेत्र के गांव कोटा में रविवार रात एक युवक के साथ रास्ते में रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित रिंकू पुत्र पप्पू निवासी कोटा की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रिंकू का आरोप है कि वह अपने घर के बाहर टहल रहा था, तभी गांव के ही विपिन पुत्र खज्जो और प्रशांत पुत्र संजय ने उसे रास्ते में रोक लिया। दोनों ने बिना किसी वजह के उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करने लगे। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए।

## किसान की पुश्तैनी जमीन पर प्रधान ने काटे पट्टे

**यूनिक समय, छाता।** तहसील के मौजा उझानी बांगर में एक जमीन का मामला गहराता जा रहा है। किसान ने राजस्व अभिलेखों और बैंक से संबंधित दस्तावेजों के आधार पर अपनी पुश्तैनी भूमिधरी जमीन को आसामी पट्टे की बताकर लोगों के नाम पट्टे काटे जाने का आरोप लगाया है।

किसान का कहना है कि जमीन1966 से उनके कब्जे में है। 1985 के राजस्व अभिलेखों में जमीन पिता स्व. भोवल सिंह के नाम श्रेणी 1-ख में दर्ज थी। इसी जमीन के आधार पर बैंक से ऋण भी लिया गया था। किसान कहना है कि 2001 में तत्कालीन उपजिलाधिकारी छाता के आदेश से जमीन को बैंक ऋण अदा न करने के संबंध में कुर्क किया गया था। 2006 में तत्कालीन राजस्व अधिकारियों द्वारा बिना किसी नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए, जमीन को अभिलेखों में श्रेणी-3 आसामी पट्टा दर्शाकर निरस्त कर दिया। 2009 में तत्कालीन ग्राम प्रधान ने इसी विवादित जमीन पर अन्य लोगों के नाम पट्टे काट दिए। बैंक का ऋण अदा कर दिया गया।

इस मामले में हाईकोर्ट में मुकदमा चल रहा है। किसान का कहना है कि विपक्षी पट्टेदारों और कुछ लोगों द्वारा परिवार को धमकाया जा रहा है। खड़ी फसल नष्ट करने, रास्ता रोकने और गांव से बेदखल करने की धमकियां दी जा रही हैं। इस मामले में पीड़ित किसान ने मुख्य मंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

## पवित्रा के हिंडोले में विराजमान हुए राजाधिराज

**यूनिक समय, मथुरा।** सोमवार को भगवान राजाधिराज पवित्रा के हिंडोले में विराजमान हुए। आराध्य के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत आज ठाकुर जी महाराज पवित्रा के हिंडोले में विराजमान हुए। कल संध्या उद्यापन के दर्शन पांच बजे खुलेंगे। शयन के दर्शन सायंकाल सात बजे से आठ बजे तक होंगे, जिसमे ठाकुर जी लहरिया घटा में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

पवित्रा के हिंडोले में विराजे राजाधिराज।

## नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, आरोपी भागे

**यूनिक समय, कोसीकलां।** थाना पुलिस ने नगर में नशे की हो रही बिक्री करने वालों के खिलाफ देर शाम अभियान चलाया। पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से कॉलोनी में हड़कंप मच गया और कई लोग घरों को छोड़कर भाग निकले।

पुलिस के अनुसार, भातू कॉलोनी में लंबे समय से नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के आधार पर थाना पुलिस ने देर रात घेराबंदी कर संदिग्धों के ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस को आता देख नशे के धंधे में लिप्त लोग अपने घरों से फरार हो गए। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार ने बताया कि नगर में नशे के कारोबार को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति नशे की बिक्री में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

### चश्मा हटाना चाहते हैं तो अपनाएं योग और आयुर्वेद के ये आसान उपाय

# कमजोर आंखों को मिलेगी नई रोशनी

**यूनिक समय, मथुरा।** आजकल बढ़ते स्क्रीन टाइम और प्रदूषण के कारण ज्यादातर लोगों की आंखों की रोशनी प्रभावित हो रही है। मोबाइल, कंप्यूटर और एलईडी लाइट्स की ब्लू लाइट आंखों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। अमेरिका की बकनेल यूनिवर्सिटी की रिसर्च के अनुसार, लगातार तेज रोशनी में रहने से रेटिना पर दबाव पड़ता है और धीरे–धीरे आंखों की रोशनी कम होने लगती है। इससे मैक्युलर डिजेनरेशन, कैटरेक्ट और आंखों में इंफेक्शन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

स्वामी रामदेव का कहना है कि आंखों की रोशनी को नेचुरली मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए योग, प्राणायाम और कुछ आयुर्वेदिक उपायों का पालन करना जरूरी है। वे बताते हैं कि सुबह–शाम 30 मिनट प्राणायाम करना, विशेषकर अनुलोम–विलोम और 7 बार भ्रामरी, आंखों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा त्राटक योग करने से भी नजर में सुधार आता है।

आयुर्वेदिक उपायों में स्वामी रामदेव 'महात्रिफला घृत' का सेवन करने की सलाह देते हैं। इसे दिन में दो बार भोजन के बाद दूध के साथ लेना चाहिए। एलोवेरा और आंवले का रस पीना भी आंखों को पोषण देता है। गुलाब जल और त्रिफला पानी से आंखें धोने से आंखों की थकान और जलन दूर होती है। नजर तेज करने के लिए किशमिश, अंजीर और भीगे हुए बादाम का सेवन बेहद लाभकारी है।

अगर किसी को चश्मा उतारना है तो उसके लिए भी घरेलू उपाय बताए गए हैं। बादाम, सौंफ और मिश्री को पीसकर पाउडर बना लें और रात में दूध के साथ सेवन करें। आंखों को आराम देने के लिए गुलाब जल की बूंदें डालें, साफ पानी से धोएं और खीरे या आलू के टुकड़े पलकों पर रखें। इसके अलावा प्याज का रस, अदरक–नींबू का रस, शहद और गुलाब जल को आंवले के रस में मिलाकर तैयार घोल की दो–दो बूंदें सुबह–शाम डालने से भी दृष्टि में लाभ मिलता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में आंखों को सबसे ज्यादा नुकसान देर तक स्क्रीन पर काम करने से हो रहा है। इसलिए जरूरी है कि लोग समय–समय पर आंखों को आराम दें, पौष्टिक आहार लें और योग–आयुर्वेद को अपनाएं। इस तरह प्राकृतिक तरीकों से न केवल आंखों की रोशनी को बचाया जा सकता है बल्कि धीरे–धीरे उसे बेहतर भी बनाया जा सकता है।

### मिनटों में तैयार करें सेहत से भरपूर लड्डू

# मखाना, चना और खरबूजे के बीज से बने टेस्टी स्वीट

**यूनिक समय, मथुरा।** मीठा खाने के शौकीन लोग अक्सर हेल्दी ऑप्शन तलाशते रहते हैं। अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें रोज कुछ मीठा खाने की क्रेविंग होती है, तो अब आपके लिए खुशखबरी है। घर पर बने हेल्दी लड्डू न केवल स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। खासकर जब इन्हें मखाना, चना और खरबूजे के बीज जैसी पौष्टिक चीजों से तैयार किया जाए। ये लड्डू मिनटों में बनकर तैयार हो जाते हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आते हैं।

लड्डू बनाने के लिए आपको चाहिए– 1 कप मखाना, 1 कप भुने हुए चने (बिना छिलका), आधा कप बादाम, 1 बड़ा चम्मच खसखस, 4–5 बड़े चम्मच खरबूजे के बीज, 4 चम्मच कद्दूकस किया हुआ नारियल, 1 कप मिश्री, 4–5 चम्मच देसी घी और 1–2 चम्मच पिस्ता। इन सभी सामग्रियों का मेल स्वाद और पोषण का बेहतरीन संगम तैयार करता है।

सबसे पहले मखाने को हल्का रोस्ट करें और फिर बादाम व खरबूजे के बीज को भी पैन में भून लें। इसके बाद मिक्सर में भुने हुए चने, मखाना, खरबूजे के बीज और बादाम डालकर बारीक पाउडर बना लें। अब एक पैन में थोड़ा घी गर्म करके इस पाउडर को डालें और हल्का भूनते हुए ऊपर से कद्दूकस किया हुआ नारियल मिलाएं। यह स्टेप लड्डू को और भी स्वादिष्ट बना देता है।

दूसरे पैन में मिश्री और थोड़ा पानी डालकर पिघला लें। जब मिश्री पूरी तरह घुल जाए तो इसे पिसे हुए मिश्रण में डालें और अच्छे से मिक्स कर लें। गैस बंद करने के बाद मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। अब हाथों पर हल्का घी लगाकर लड्डू बनाना शुरू करें। कुछ ही मिनटों में हेल्दी और टेस्टी लड्डू तैयार हो जाएंगे।

ये लड्डू लंबे समय तक स्टोर किए जा सकते हैं और स्नैकिंग के लिए बेहतरीन ऑप्शन हैं। इन्हें खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है, हड्डियां मजबूत होती हैं और इम्यूनिटी भी बेहतर होती है। खासतौर पर बच्चों के टिफिन या बड़ों की शाम की चाय के साथ यह एक शानदार हेल्दी स्नैक है। अगर आप हेल्दी लाइफस्टाइल जीना चाहते हैं और मीठे से समझौता नहीं करना चाहते, तो ये मखाना–चना–खरबूजे के बीज से बने लड्डू आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। मिनटों में बनने वाले ये लड्डू हर मौके को स्पेशल बना देंगे।

# जेल में बंदियों की कलाइयों पर बंधा स्नेह का धागा

जिला कारागार में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था की बहनें आदि।

**यूनिक समय, मथुरा।** जिला कारागार में रक्षाबंधन का पर्व भावनात्मक और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। ब्रह्माकुमारी संस्था की बहनों ने निरुद्ध बंदियों की कलाइयों पर राखी बांधकर उन्हें स्नेह, सद्भाव और सकारात्मक जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग और जेलर वाईएम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान 'मन की शक्ति, जीवन की नई दिशा' विषय पर प्रेरणादायी संवाद हुआ। ग्वालियर से आईं बीके ज्योति ने बंदियों को आत्मबल मजबूत करने और नकारात्मक विचारों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन सकारात्मक सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति से बदलाव की राह तैयार की जा सकती है।

रिफाइनरी नगर सेवा केंद्र की प्रभारी राजयोगिनी बीके कृष्णा ने बंदियों को राखी बांधी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का धागा केवल भाई–बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं, बल्कि विश्वास, प्रेम और शुभ संकल्प का संदेश भी देता है। उन्होंने राजयोग ध्यान के माध्यम से मन को शांत रखने और आत्मबल बढ़ाने की जानकारी दी। राखी बांधने के दौरान ब्रह्माकुमारी बहनों ने बंदियों के सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर आध्यात्मिक साहित्य और प्रसाद भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में जेल प्रशासन के अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ आलोक, मनोज, सचिन, पूजा, अंजली, गौरी और नीलम सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

# मसूड़ों का कालापन दूर करने के लिए आजमाएँ ये घरेलू उपाय

**यूनिक समय, मथुरा।** मसूड़ों का कालापन कई वजहों से हो सकता है। जैसे शरीर में पोषक तत्वों की कमी, धूम्रपान करना या शरीर में मेलेनिन की कमी। इतना ही नहीं मसूड़ों का कालापन शरीर में मौजूद कई बीमारियों का संकेत भी हो सकता है।

मसूड़ों का कालापन देखने में बहुत खराब लगता है। कहा जाता है कि साफ और गुलाबी मसूड़े का मतलब है कि आपकी ओरल हेल्थ अच्छी है। मसूड़ों का कालापन कई वजहों से हो सकता है। जैसे शरीर में पोषक तत्वों की कमी, धूम्रपान करना या शरीर में मेलेनिन की कमी। इतना ही नहीं मसूड़ों का कालापन शरीर में मौजूद कई बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। आज के इस लेख में हम आपको मसूड़ों का कालापन दूर करने के आसान घरेलू उपाय बताएंगे।

आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करके भी काले मसूड़ों की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए ब्रश करने के बाद बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर इससे कुल्ला करें। आप चाहें तो बेकिंग सोडा का पेस्ट बनाकर इसे अपने मसूड़ों पर लगा सकते हैं। इससे मसूड़ों का कालापन दूर होगा।

मसूड़ों का कालापन दूर करने के लिए आप नीलगिरी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें बहुत से औषधीय गुण मौजूद होते हैं, जिससे मसूड़ों की समस्या में लाभ होता है। मसूड़ों का कालापन हटाने के लिए एक कॉटन को नीलगिरी के तेल में डुबोकर मसूड़ों पर लगाएं। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में फर्क नजर आने लगेगा।

शरीर में विटामिन–डी की कमी के कारण भी मसूड़े काले हो जाते हैं। इससे बचने के लिए अपने भोजन में विटामिन–डी युक्त आहार को शामिल करें और धूप में बैठें। आप चाहे तो विटामिन–डी की कमी को पूरा करने के लिए विटामिन–डी का सप्लीमेंट भी ले सकते हैं।

# दिल्ली के पुराने किले में मिले नैनीताल जैसा सुकून, झील में लें बोट राइडिंग का आनंद

**यूनिक समय, मथुरा।** भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सुकून की तलाश में रहता है। काम के दबाव और व्यस्त दिनचर्या के बीच जब आराम की जरूरत होती है, तो लोग पहाड़ों और झीलों का रुख करते हैं। नैनीताल, भीमताल और मसूरी जैसी जगहें लंबे समय से पर्यटकों की पहली पसंद रही हैं, लेकिन इन जगहों तक पहुंचने के लिए लंबी छुट्टियों और भारी खर्च की जरूरत होती है। बिना लंबी यात्रा किए नैनीताल जैसा सुकून पाना चाहते हैं, तो राजधानी का पुराना किला आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है।

पुराना किला दिल्ली की ऐतिहासिक धरोहर है, जहां अब बोटिंग की सुविधा फिर से शुरू हो गई है।

यहां झील के किनारे बैठकर हरियाली का आनंद लेना और बोटिंग करना आपको पहाड़ी झीलों की याद दिला देगा। यहां का शांत वातावरण और नीले पानी की चमक लोगों को तुरंत सुकून का अहसास कराती है। कपल्स, परिवार और बच्चे सभी यहां बोटिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

पहले पुराना किला में बोटिंग की सुविधा बंद कर दी गई थी, लेकिन अब इसे फिर से शुरू कर दिया गया है।

साफ पानी और आसपास की हरियाली के बीच बोटिंग करना यहां के मुख्य आकर्षणों में से एक है। बोटिंग सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक की जा सकती है। टिकट की कीमत भी काफी किफायती है। दो लोगों की बोटिंग के लिए 50 से 100 रुपये और रो–बोटिंग के लिए 100 से 200 रुपये तक खर्च करने होंगे। टिकट पुराने किले के मुख्य द्वार से खरीदे जा सकते हैं।

यह जगह बोटिंग के लिए ही नहीं, बल्कि पिकनिक मनाने के लिए भी बिल्कुल सही है। हरे–भरे लॉन पर परिवार के साथ चादर बिछाकर बैठना, घर का बना खाना खाना और बच्चों के साथ खेलना यहां के अनुभव को और खास बना देता है। झील के किनारे स्नैक्स खाते हुए या तस्वीरें खींचते हुए आप कुछ पल के लिए अपनी व्यस्त जिंदगी से दूर हो जाएंगे।

इतिहास के शौकीनों के लिए भी पुराना किला खास महत्व रखता है। यहां घूमते हुए आप किले की भव्यता को महसूस कर सकते हैं और पास स्थित म्यूजियम व कुंभ मेले के इतिहास से जुड़े प्रदर्शनों को देख सकते हैं। यह जगह दिल्ली की धड़कन और विरासत दोनों को एक साथ संजोए हुए है।

यहां तक पहुंचना भी काफी आसान है। सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन सुप्रीम कोर्ट है, जहां से आप पैदल या ऑटो से किले तक पहुंच सकते हैं। कैब और ऑटो की सुविधा भी आसानी से उपलब्ध है।

अगर आप वीकेंड पर भीड़ से बचना चाहते हैं, तो वीकडे पर यहां जाएं और शांत माहौल का आनंद लें।

बिना लंबी यात्रा किए, बिना ज्यादा खर्च किए नैनीताल जैसी झील का मजा दिल्ली के दिल में लेना चाहते हैं, तो पुराना किला आपके लिए बिल्कुल सही जगह है।

## सुविचार

उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो।

— स्वामी विवेकानंद

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | द्वादशी | 02:00-04:19 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | उत्तराषाढ़ा | 08:28-10:51 तक | माह | श्रावण |
| सूर्योदय | | 6:07 AM | चन्द्रोदय | 05:10 PM |
| सूर्यास्त | | 6:51 PM | चंद्रास्त | 03:56 AM |
| सूर्य राशि | | सिंह राशि | चंद्र | मकर राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 11:58AM –12:46 PM | ब्रहम् मुहूर्त | 04:18-05:06 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 03:40 PM: 05:15 PM | वार | मंगलवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

# बरसाना में गोपी रूप में आए थे महादेव, कहलाए प्रियेश्वर महादेव

### प्रिया कुंड पर बना अनोखा मंदिर, आज भी द्वापर युग की निशानी है

### राधारानी के दर्शन के लिए गोपी रूप में आए थे महादेव

### मंदिर में परिवार के साथ विराजमान हैं भगवान शिव

**यूनिक समय, मथुरा।** बरसाना में भगवान कृष्ण और राधा रानी की लीलाओं से जुड़े अनेक धार्मिक स्थल आज भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। बरसाना स्थित प्रियेश्वर महादेव मंदिर भी इन्हीं प्रमुख स्थलों में शामिल है। प्रिया कुंड के किनारे स्थित इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि राधा रानी ने स्वयं यहां भगवान शिव की स्थापना की थी।

स्थानीय मान्यता के अनुसार भगवान शिव राधा रानी के दर्शन करना चाहते थे। उनकी इच्छा पूरी करने के लिए महादेव गोपी रूप धारण कर बरसाना पहुंचे।

वे प्रिया कुंड के निकट बैठकर राधा रानी की आराधना करने लगे। जब राधा रानी वहां पहुंचीं तो उन्होंने महादेव को पहचान लिया। भगवान शिव ने अपना वास्तविक स्वरूप प्रकट कर राधा रानी से दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया।

कहा जाता है कि राधा रानी ने महादेव को अपने नाम से पूजे जाने का आशीर्वाद दिया। इसी कारण यहां भगवान शिव प्रियेश्वर महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुए। मंदिर में भगवान शिव के साथ माता पार्वती और उनका परिवार भी विराजमान है।

प्रिया कुंड को लेकर भी धार्मिक मान्यता है कि राधा रानी अपनी सखियों के साथ यहां आती थीं। इसी पवित्र स्थल के कारण मंदिर की धार्मिक महत्ता और बढ़ जाती है। सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन करते हैं।

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

# सावन के अंतिम सोमवार पर उमड़े श्रद्धालु, शिवालयों में उत्सव

### महाकाल के दर्शन को पहुंची भारी श्रद्धालुओं की भीड़

### कालभैरव मंदिर में लगी तीन किलोमीटर से लंबी कतार

**यूनिक समय, मथुरा।** सावन के अंतिम सोमवार पर मध्य प्रदेश के शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए अब तक करीब ढाई लाख श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। कालभैरव मंदिर के बाहर करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबी कतार लगी है। श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए करीब साढ़े तीन घंटे इंतजार करना पड़ रहा है।

ओंकारेश्वर और ममलेश्वर मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रही। बाबा ओंकार का पीले और लाल फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। शाम को भगवान की पारंपरिक सवारी निकलेगी और हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी।

भोजपुर स्थित भोजेश्वर महादेव का करीब छह क्विंटल फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। मंदसौर के अष्टमुखी पशुपतिनाथ मंदिर में गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित रहा। श्रद्धालुओं ने बाहर से ही प्रतीकात्मक अभिषेक किया। इंदौर के गेंदेश्वर महादेव मंदिर में बारह ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृतियां सजाई गईं। रतलाम के गढ़कैलाश महादेव मंदिर में भगवान का लच्छे से श्रृंगार किया गया। यहां शाम को राजसी सवारी निकलेगी। विभिन्न स्थानों पर कांवड़ यात्राएं भी पहुंचीं और श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की।

# सामुद्रिक शास्त्र में ऐसे पैर माने जाते हैं शुभ

### चिकने और लाल तलुए सौभाग्य का संकेत माने जाते हैं

### विशेष चिन्ह वाली महिलाओं को राजयोग का सुख मिलता है

**यूनिक समय, मथुरा।** सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के विभिन्न अंगों की बनावट, रंग और चिन्हों के आधार पर व्यक्ति के स्वभाव और भविष्य से जुड़ी मान्यताएं बताई गई हैं। इसी शास्त्र में महिलाओं के पैरों के शुभ–अशुभ लक्षणों का भी उल्लेख मिलता है। हालांकि ये बातें धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं, वैज्ञानिक रूप से इनका कोई प्रमाण नहीं है। मान्यता के अनुसार जिन महिलाओं के तलुए चिकने, कोमल, समान और हल्के लाल रंग के होते हैं, उन्हें सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसे पैरों को धन–समृद्धि और सुखी जीवन का संकेत बताया गया है। पैरों के नाखून पतले और उंगलियां सुंदर तथा व्यवस्थित होना भी शुभ माना गया है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार मांसल टखने, जिनमें हड्डियां स्पष्ट दिखाई न दें, भी अच्छे संकेत माने जाते हैं। वहीं तलुओं पर चक्र, कमल, ध्वज, स्वस्तिक, मछली, अंकुश, वज्र, हल, तलवार या माला जैसे चिन्ह होना राजयोग का संकेत बताया गया है। कुछ मान्यताओं में दाहिने पैर के तलुए का फड़कना भी शुभ माना गया है। वहीं तर्जनी की ओर जाने वाली स्पष्ट रेखा को शीघ्र विवाह और प्रेमपूर्ण जीवन से जोड़ा गया है। इसके विपरीत खुरदरे, अत्यधिक रूखे, काले या बहुत सफेद तलुए अशुभ माने जाते हैं। टेढ़े–मेढ़े तलुए और अधिक उभरी नसों को भी पारंपरिक रूप से संघर्ष और कष्ट का संकेत बताया गया है।

## कल का राशिफल

**मेष:** कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में सुखद समाचार मिलेगा और रुके काम पूरे होंगे।

**वृषभ:** कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, धन लाभ के अवसर बनेंगे।

**मिथुन:** कल महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें। नौकरी में सफलता मिलेगी, आय बढ़ेगी और मित्रों से सहयोग मिलने की संभावना रहेगी।

**कर्क:** कल मन प्रसन्न रहेगा और कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ होगा, परिवार का सहयोग मिलेगा और यात्रा सुखद रहेगी।

**सिंह:** कल आत्मविश्वास बढ़ेगा, नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। व्यापार में लाभ होगा, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

**कन्या:** कल मेहनत रंग लाएगी और रुके कार्य पूरे होंगे। धन लाभ मिलेगा, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

**तुला:** कल नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। व्यापार में लाभ होगा, परिवार में खुशी आएगी और महत्वपूर्ण निर्णय सफल होंगे।

**वृश्चिक:** कल आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और पुराने निवेश से लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा, परिवार में शांति बनी रहेगी।

**धनु:** कल नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। करियर में सफलता मिलेगी।

**मकर:** कल कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन सफलता भी मिलेगी। आर्थिक लाभ होगा और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

**कुंभ:** कल पुराने विवाद समाप्त होंगे और मन शांत रहेगा। नौकरी में अवसर मिलेंगे, धन लाभ होगा और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**मीन:** कल भाग्य आपका साथ देगा और महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। आर्थिक लाभ मिलेगा, प्रेम संबंध मजबूत होंगे और परिवार खुश रहेगा।

# सम्मान पाने के लिए चाणक्य की तीन सीख अपनाएं

### हर व्यक्ति को दें सम्मान, ज्ञान बढ़ाएं और अहंकार छोड़ें

### आत्मप्रशंसा से बचें अपने काम को बोलने दें हमेशा

**यूनिक समय, मथुरा।** आचार्य चाणक्य की नीतियां आज भी जीवन में सही दिशा दिखाने वाली मानी जाती हैं। उनका मानना था कि व्यक्ति का सम्मान केवल धन, पद या प्रतिष्ठा से तय नहीं होता, बल्कि उसके ज्ञान, व्यवहार और सोच से भी उसकी पहचान बनती है। यदि व्यक्ति समाज और कार्यस्थल पर सम्मान पाना चाहता है तो उसे अपने आचरण में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने चाहिए।

चाणक्य के अनुसार ज्ञान व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति है। केवल पुस्तकीय शिक्षा ही नहीं, बल्कि अनुभवों, दूसरों की गलतियों और अपने जीवन से सीखना भी जरूरी है। लगातार सीखने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में बेहतर निर्णय लेता है और उसका आत्मविश्वास बढ़ता है।

बार–बार अपनी उपलब्धियों और प्रतिभा का बखान करने से व्यक्ति का प्रभाव कम हो सकता है। चाणक्य की सीख है कि अपनी योग्यता साबित करने के लिए शब्दों से अधिक अपने काम और व्यवहार पर भरोसा करना चाहिए।

जब दूसरे लोग आपकी खूबियों की सराहना करते हैं तो उसका प्रभाव अधिक सकारात्मक होता है।

सम्मान पाने का सबसे सरल तरीका दूसरों का सम्मान करना है। व्यक्ति चाहे किसी भी पद या स्थिति में हो, उसके साथ विनम्रता से व्यवहार करना अच्छे संस्कारों की पहचान है। परिवार, कार्यस्थल और समाज में सभी के प्रति सम्मान का भाव रखने से विश्वास और प्रतिष्ठा बढ़ती है।

चाणक्य की इन तीन सीखों का सार यही है कि ज्ञान बढ़ाएं, आत्मप्रशंसा से बचें और हर व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। यही गुण व्यक्ति की वास्तविक पहचान बनाते हैं।

## सम्पादकीय

# अब मौत भी बन गई है मुनाफे का सौदा

मौत को इंसान की जिंदगी का अंतिम सच कहा जाता है। लेकिन उज्जैन में सामने आया कथित बीमा घोटाला बताता है कि लालच के आगे यह अंतिम सच भी कागजों में बदल सकता है। यहां मृतकों के नाम पर बीमा पॉलिसियां, फर्जी प्रमाणपत्र और करोड़ों रुपये के दावे तैयार किए गए। यानी आदमी दुनिया से चला गया, लेकिन कागजों में उसकी जिंदगी इतनी लंबी थी कि बीमा का पैसा भी उसका इंतजार कर रहा था।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की जांच में करीब आठ करोड़ रुपये के कथित फर्जी बीमा दावों का मामला सामने आया है और 43 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। आरोपों के मुताबिक कहीं मौत के बाद पॉलिसी ली गई, कहीं फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र लगाया गया और कहीं मौत से कुछ घंटे पहले तक व्यक्ति को कागजों में स्वस्थ बताया गया। यह व्यवस्था की आंखों में धूल झोंकने का मामला भर नहीं है, बल्कि उस पूरी प्रणाली पर गंभीर सवाल है, जहां दस्तावेज सच से ज्यादा ताकतवर दिखाई देने लगते हैं। इस खेल में कथित तौर पर एजेंटों से लेकर पंचायत पदाधिकारी और परिजनों तक की भूमिका सामने आई है। अगर आरोप सही साबित होते हैं तो सवाल यह है कि मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने वाले हाथों को यह पता नहीं था कि जिस व्यक्ति की मौत पहले ही हो चुकी है, उसके नाम पर बाद में जिंदगी की नई कहानी लिखी जा रही है? या फिर सबको पता था और लालच ने विवेक को छुट्टी पर भेज दिया था?

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

**संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।**

बीमा कंपनियों और संबंधित संस्थाओं की जांच व्यवस्था भी कटघरे में है। लाखों–करोड़ों रुपये के जोखिम वाली पॉलिसी जारी करते समय यदि बुनियादी सत्यापन नहीं हुआ, तो फिर कागजी जांच किसलिए है? क्या केवल दस्तावेजों पर मुहर लगाना ही सत्यापन है? मृत व्यक्ति अगर पॉलिसी लेने के बाद भी व्यवस्था को जिंदा नजर आए, तो तकनीक और रिकॉर्ड प्रणाली दोनों की उपयोगिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस मामले का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि ऐसी घटनाएं केवल धन की चोरी नहीं करतीं, बल्कि संस्थाओं पर भरोसा भी चुराती हैं। सरकार ने डिजिटल व्यवस्था इसलिए नहीं बनाई कि फर्जीवाड़ा करने वाले भी डिजिटल रास्ता खोज लें।

अब जांच केवल 43 आरोपियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। दस्तावेज किसने बनाए, सत्यापन किसने किया, भुगतान की प्रक्रिया में कौन–कौन शामिल था और किस स्तर पर लापरवाही हुई–हर कड़ी की जांच जरूरी है। क्योंकि बीमा धोखाधड़ी में मुर्दे भले कागजों पर जिंदा किए गए हों, लेकिन असली सवाल यह है कि जवाबदेही की आत्मा आखिर कब जागेगी?

## नजरिया

# एआई से डरें नहीं, बच्चों की सोच बचाइए

बोध प्रकाश सगुणी

आज के बच्चे जिस दुनिया में बड़े हो रहे हैं, वहां किताब, कापी और शिक्षक के साथ एक नया साथी भी उनकी पढ़ाई की मेज पर बैठ चुका है–कृत्रिम बुद्धिमत्ता। सवाल यह नहीं रह गया कि बच्चे इसका इस्तेमाल करेंगे या नहीं। असली सवाल यह है कि वे इसका इस्तेमाल सोचने के लिए करेंगे या सोचना छोड़ने के लिए। यही फर्क आने वाले समय में उनकी शिक्षा, समझ और व्यक्तित्व की दिशा तय करेगा।

कल्पना कीजिए, बच्चा गणित का कठिन सवाल लेकर बैठा है। कुछ वर्ष पहले वह किताब पलटता, शिक्षक से पूछता या माता–पिता की मदद लेता। अब वह वही सवाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सामने रखता है और कुछ ही क्षण में पूरा हल सामने आ जाता है। सुविधा इतनी तेज है कि मेहनत करने की जरूरत ही महसूस नहीं होती। यहीं से खतरा शुरू होता है। उत्तर मिल जाना और उत्तर समझ लेना, दोनों एक बात नहीं हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सबसे बड़ा लाभ यह हो सकता है कि वह बच्चे को उत्तर देने के बजाय उत्तर तक पहुंचने का रास्ता दिखाए। यदि बच्चा किसी सवाल पर अटक गया है तो उसे संकेत दिया जाए, पूछा जाए कि वह अब तक क्या समझ चुका है, गलती कहां हुई और अगला कदम क्या हो सकता है। इस तरीके से तकनीक बच्चे के हाथ में तैयार उत्तर नहीं, बल्कि सीखने का औजार बन सकती है। यही बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चे का पूरा गृहकार्य कर देती है तो वह सुविधा जरूर देती है, लेकिन बच्चे की बौद्धिक मेहनत कम कर देती है। इसके विपरीत यदि वही तकनीक बच्चे से सवाल पूछती है, उसकी समझ परखती है, कठिन विषय को सरल उदाहरणों से समझाती है और गलती सुधारने का अवसर देती है तो वह शिक्षक की भूमिका में सहायक बन सकती है। माता–पिता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है। वे बच्चों को तकनीक से दूर नहीं रख सकते और न ही यह संभव है कि हर समय उनके साथ बैठकर देखें कि बच्चा क्या पूछ रहा है। इसलिए रोक लगाने से ज्यादा जरूरी है इस्तेमाल का तरीका सिखाना। बच्चे को समझाना होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोई ऐसी मशीन नहीं है जिसमें सवाल डालो और दिमाग बंद कर दो। यह ऐसा सहायक है जिसके साथ बातचीत करके अपनी समझ बेहतर की जा सकती है। आज कई घरों में अभिभावकों की चिंता यह है कि बच्चा पढ़ाई के नाम पर घंटों मोबाइल या संगणक पर बैठा रहता है। उन्हें लगता है कि वह पढ़ रहा है, लेकिन संभव है कि वह केवल तैयार उत्तर जुटा रहा हो। इसलिए अभिभावकों को कभी–कभार बच्चे से यह पूछना चाहिए कि उसने क्या सीखा। केवल यह पूछना पर्याप्त नहीं कि गृहकार्य पूरा हुआ या नहीं। असली सवाल होना चाहिए–तुमने इसमें नया क्या समझा? यह छोटा–सा सवाल बच्चे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बीच का रिश्ता बदल सकता है। अगर बच्चा किसी प्रश्न का उत्तर देखकर भी उसे अपने शब्दों में समझा नहीं सकता तो संभव है कि उसने ज्ञान हासिल नहीं किया, सिर्फ उत्तर हासिल किया है। युवाओं के मामले में एक दूसरी चिंता भी जुड़ती है–भावनात्मक निर्भरता। इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों ने पहले ही किशोरों की दुनिया को बदल दिया है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता से होने वाली लगातार बातचीत भी उनके व्यवहार का हिस्सा बन सकती है। यदि बच्चा हर समस्या, हर निर्णय और हर भावनात्मक उलझन का जवाब मशीन से लेने लगे तो उसके भीतर स्वयं निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। यहां माता–पिता को संतुलन रखना होगा। तकनीक को दुश्मन मानकर बच्चों से छीन लेना समाधान नहीं है। लेकिन उसे इतना शक्तिशाली भी नहीं बना देना चाहिए कि बच्चा अपने विचार, मित्र, शिक्षक और परिवार से अधिक मशीन पर भरोसा करने लगे। बच्चे को यह समझाना जरूरी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सलाह दे सकती है, विकल्प बता सकती है, जानकारी समझा सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय और जिम्मेदारी मनुष्य की ही होगी।

किशोरों की सुरक्षा के लिहाज से उम्र का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। छोटे बच्चों और किशोरों की जरूरतें अलग होती हैं। जिस प्रकार वाहन चलाने, बैंकिंग या सामाजिक माध्यमों के इस्तेमाल में उम्र के अनुसार सावधानी जरूरी होती है, उसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग में भी उम्र के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों को बच्चों की आयु, उनकी ऑनलाइन गतिविधियों और उनके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे साधनों की जानकारी रखनी चाहिए। लेकिन निगरानी का मतलब जासूसी नहीं होना चाहिए। यदि माता–पिता हर बातचीत पढ़ने लगेंगे तो बच्चा तकनीक के साथ–साथ उनसे भी दूरी बनाने लगेगा। बेहतर तरीका संवाद है। बच्चे से पूछा जाए कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किसलिए करता है, कौन–सी बातें उसे उपयोगी लगती हैं और किन विषयों में उसे कठिनाई होती है। ऐसा माहौल बने जिसमें बच्चा गलती छिपाने के बजाय उसके बारे में बात कर सके। शिक्षकों की भूमिका भी अब पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जब मशीन कुछ ही क्षण में उत्तर दे सकती है तो शिक्षक की जिम्मेदारी केवल उत्तर बताने की नहीं रह जाती। शिक्षक को बच्चों में सवाल पूछने, तर्क करने, तुलना करने और अपनी बात प्रमाण के साथ रखने की आदत विकसित करनी होगी। विद्यालयों में ऐसे कार्य दिए जा सकते हैं जिन्हें केवल तैयार उत्तर से पूरा न किया जा सके। बच्चे से पूछा जाए कि उसने किसी निष्कर्ष तक कैसे पहुंचा और उसकी राय के पीछे क्या कारण हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की सोच का विकल्प नहीं, सोच का विस्तार बने। यदि बच्चा किसी विषय पर मशीन से दस सवाल पूछकर ग्यारहवां सवाल खुद तैयार करना सीखता है तो तकनीक सफल है। लेकिन यदि वह पहला सवाल पूछते ही तैयार उत्तर लेकर आगे बढ़ जाता है तो सुविधा धीरे–धीरे उसकी आदत और फिर उसकी कमजोरी बन सकती है। हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहां बच्चों को तकनीक से बचाना संभव नहीं, लेकिन उन्हें तकनीक का गुलाम बनने से बचाना पूरी तरह संभव है। इसके लिए प्रतिबंध से ज्यादा जरूरी है विवेक, निगरानी से ज्यादा जरूरी संवाद और तैयार उत्तर से ज्यादा जरूरी सीखने की प्रक्रिया। बच्चे के हाथ से कृत्रिम बुद्धिमत्ता छीनने की जरूरत नहीं है। जरूरत यह सुनिश्चि त करने की है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चे का गृहकार्य तो आसान करे, लेकिन उसका दिमाग नहीं। मशीन उत्तर दे सकती है, रास्ता दिखा सकती है और समझा सकती है, मगर सवाल पूछने, तर्क करने और सही–गलत का फैसला करने की जिम्मेदारी बच्चे की ही रहनी चाहिए। आखिर आने वाली पीढ़ी की सबसे बड़ी पूंजी तकनीक नहीं, उसकी अपनी सोचने की क्षमता होगी।

## विचार विंडो

# स्मार्ट शहर नहीं, जवाबदेह शहर चाहिए

राम प्रकाश शर्मा

2015 में जब देश में 100 स्मार्ट शहर बनाने की महत्वाकांक्षी योजना शुरू हुई, तब आम नागरिकों को उम्मीद थी कि वर्षों से चली आ रही शहरी बदहाली का अंत होगा। गड्ढों से भरी सड़कें, जलभराव, ट्रैफिक जाम, कूड़े के ढेर, कमजोर सार्वजनिक सेवाएं और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझते शहरों को तकनीक और आधुनिक ढांचे के सहारे नई पहचान देने का सपना दिखाया गया। लेकिन एक दशक बाद यह सवाल अधिक महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या केवल सड़कों, पुलों और डिजिटल सुविधाओं से कोई शहर वास्तव में स्मार्ट बन सकता है?

स्मार्ट शहर अभियान के तहत कई महत्वपूर्ण काम हुए हैं। कहीं सार्वजनिक परिवहन बेहतर हुआ, कहीं जलापूर्ति में सुधार आया तो कहीं स्वच्छता व्यवस्था मजबूत हुई। कुछ शहरों ने तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए नागरिक सेवाओं को आसान बनाया। इंदौर इसका उदाहरण है, जिसने स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर यह दिखाया कि इच्छाशक्ति और प्रशासनिक अनुशासन से शहरों की तस्वीर बदली जा सकती है। लेकिन दूसरी तस्वीर भी कम गंभीर नहीं है। देश के अनेक शहर आज भी टूटी सड़कों, जलभराव, कचरे, यातायात अव्यवस्था और कमजोर सार्वजनिक सुविधाओं से परेशान हैं। कई जगह करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी बनाई गई सड़कें कुछ ही समय में उखड़ जाती हैं। पुलों में दरारें आती हैं, नवनिर्मित ढांचे क्षतिग्रस्त होते हैं और बरसात में आधुनिक परियोजनाओं की कमजोरियां सामने आ जाती हैं। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कितना पैसा खर्च हुआ, बल्कि यह है कि उसके बदले नागरिकों को कितनी टिकाऊ सुविधा मिली।

स्मार्ट शहर अभियान की एक बड़ी सीमा यह भी रही कि उसका जोर अक्सर चुनिंदा क्षेत्रों के विकास पर रहा। किसी शहर के एक हिस्से को आधुनिक बना देने से पूरा शहर स्मार्ट नहीं हो जाता। शहर तभी स्मार्ट कहलाएगा, जब उसके हर मोहल्ले में साफ सड़क, सुरक्षित यातायात, नियमित पेयजल, प्रभावी जलनिकासी, स्वच्छ वातावरण और भरोसेमंद सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध हों। तकनीक इन सुविधाओं को बेहतर बनाने का साधन हो सकती है, लेकिन वह खराब व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकती। असल समस्या शहरों की प्रशासनिक संरचना में है। भारत में स्थानीय निकायों को पर्याप्त अधिकार और वित्तीय स्वतंत्रता नहीं मिलती। कई बड़े शहरों में जनता सीधे उस व्यक्ति को चुन ही नहीं पाती, जिसके नेतृत्व में नगर प्रशासन चलना चाहिए। निर्वाचित महापौर के पास पर्याप्त अधिकार नहीं होते, जबकि वास्तविक प्रशासनिक शक्तियां अधिकारियों के हाथ में रहती हैं। इससे नागरिक और शहर के प्रशासन के बीच जवाबदेही की वह सीधी कड़ी नहीं बन पाती, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में होनी चाहिए। मुंबई इसका बड़ा उदाहरण है। देश के सबसे महत्वपूर्ण और आर्थिक रूप से शक्तिशाली शहरों में शामिल मुंबई की नगर व्यवस्था में महापौर की भूमिका सीमित है। प्रशासनिक निर्णयों में नौकरशाही का प्रभाव अधिक रहता है। अधिकारियों का कार्यकाल भी कई बार इतना लंबा नहीं होता कि वे किसी दीर्घकालीन योजना का परिणाम देख सकें। स्थानांतरण के साथ जिम्मेदारी बदल जाती है और नई व्यवस्था पुराने निर्णयों को आगे बढ़ाए या नहीं, यह सुनिश्चित नहीं होता। यहीं से जवाबदेही का सवाल उठता है। यदि किसी शहर की सड़क खराब है, जलनिकासी व्यवस्था विफल है या कचरा नियमित नहीं उठता, तो नागरिक किससे सवाल करें? यदि महापौर के पास पर्याप्त अधिकार नहीं हैं और अधिकारी सीधे जनता के प्रति राजनीतिक रूप से जवाबदेह नहीं हैं, तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। यही प्रशासनिक अस्पष्टता कई बार भ्रष्टाचार और लापरवाही के लिए जगह बनाती है। निर्माण कार्यों में भी यही समस्या दिखाई देती है। सड़क बनाने वाले ठेकेदार, निगरानी करने वाले अधिकारी और राजनीतिक संरक्षण देने वाले प्रभावशाली लोगों के बीच गठजोड़ की शिकायतें अक्सर सामने आती हैं। घटिया निर्माण के बाद बार–बार मरम्मत के नाम पर सरकारी धन खर्च होता है। इससे केवल सरकारी खजाने को नुकसान नहीं होता, बल्कि नागरिकों का भरोसा भी टूटता है। यदि निर्माण की गुणवत्ता खराब होने पर जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई और आर्थिक दंड सुनिश्चित हो, तो व्यवस्था में सुधार आ सकता है। दुनिया के कई बड़े शहरों में स्थानीय नेतृत्व को अपेक्षाकृत अधिक अधिकार दिए गए हैं। लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों में मेयर सीधे जनता के बीच जाकर अपने काम का हिसाब देते हैं। वहां नागरिकों के पास यह स्पष्ट विकल्प होता है कि अच्छा काम हुआ तो नेतृत्व को दोबारा चुना जाए और खराब प्रदर्शन पर उसे हटाया जाए। यही राजनीतिक जवाबदेही शहरों के प्रशासन को नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।

भारत को भी इसी दिशा में आगे बढ़ना होगा। हर बड़े शहर में मजबूत और सीधे निर्वाचित महापौर होना चाहिए। उसे परिवहन, सड़क, जल, स्वच्छता, नगर नियोजन और स्थानीय सेवाओं से जुड़े मामलों में पर्याप्त अधिकार दिए जाने चाहिए। साथ ही अधिकारों के साथ स्पष्ट जिम्मेदारी भी तय हो। महापौर और नगर प्रशासन को अपने काम के लिए जनता के सामने नियमित रूप से जवाब देना चाहिए।

स्मार्ट शहरों का भविष्य केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कैमरों, मोबाइल अनुप्रयोगों और डिजिटल सेवाओं में नहीं है। असली स्मार्टनेस उस शहर में होगी, जहां बारिश में सड़कें न डूबें, कचरा समय पर उठे, फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित हों, सार्वजनिक परिवहन भरोसेमंद हो और निर्माण कार्य वर्षों तक टिके रहें। नागरिक को शिकायत करने के लिए कई कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और शिकायत के समाधान की जिम्मेदारी भी स्पष्ट हो।

भारत को अब स्मार्ट शहरों की अगली पीढ़ी की योजना बनाते समय तकनीक से आगे बढ़कर स्थानीय लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। शहरों को केवल परियोजनाओं का समूह नहीं, बल्कि नागरिकों की जवाबदेह सरकार के रूप में देखना होगा। स्मार्ट शहर वही है जहां व्यवस्था स्मार्ट हो, निर्णय पारदर्शी हों और जनता के पास अपने शहर के नेतृत्व से सीधे सवाल पूछने की ताकत हो। इसलिए अगला लक्ष्य केवल 100 स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि 100 जवाबदेह शहर होना चाहिए। जब अधिकार स्थानीय स्तर पर जाएंगे और उनके साथ जिम्मेदारी भी तय होगी, तभी स्मार्ट सिटी का सपना जमीन पर दिखाई देगा।

### मैच फीस का लगा 25 प्रतिशत जुर्माना

# यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो पर आईसीसी का एक्शन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई गर्मागर्मी के मामले में आईसीसी ने सख्त कार्रवाई की है। भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। हालांकि, दोनों खिलाड़ियों के लिए राहत की बात यह है कि उन्हें किसी भी मैच से निलंबित नहीं किया गया है। यह विवाद दूसरे टेस्ट के पहले दिन भारत की पहली पारी के 17वें ओवर में सामने आया। असिथा फर्नांडो ने यशस्वी जायसवाल को आउट किया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि जायसवाल फर्नांडो की तरफ बढ़े।

इसी दौरान श्रीलंकाई गेंदबाज ने अपना सिर जायसवाल की ओर बढ़ाया, जबकि जायसवाल भी नीचे की तरफ झुके। इसके बाद दोनों के सिर आपस में टकरा गए। मैदान पर मौजूद अंपायर ने स्थिति को तुरंत संभाला और दोनों खिलाड़ियों को अलग किया। घटना के बाद मामला आईसीसी तक पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह नियम किसी खिलाड़ी, अंपायर, मैच रेफरी या अन्य व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। आईसीसी के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। इसी वजह से मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। दोनों पर जुर्माने और डिमेरिट पॉइंट की कार्रवाई की गई। साथ ही यह भी सामने आया कि पिछले 24 महीनों में दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ कोई पिछला अपराध दर्ज नहीं था, जिसके चलते सजा को सीमित रखा गया। वहीं, बल्ले से यशस्वी जायसवाल के लिए यह टेस्ट अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। दूसरी पारी से पहले उन्होंने पहली पारी में 53 गेंदों का सामना करते हुए 45 रन बनाए और इस दौरान 9 चौके लगाए। इससे पहले सीरीज के पहले टेस्ट में भी उनका बल्ला खामोश रहा था। उन्होंने पहली पारी में 32 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। अब भारतीय फैंस को उम्मीद होगी कि जायसवाल इस विवाद को पीछे छोड़कर सीरीज के आगामी मुकाबलों में अपने बल्ले से दमदार वापसी करेंगे और बड़ी पारियां खेलकर टीम को मजबूती देंगे।

## 'खतरों के खिलाड़ी 15' से गौरव खन्ना बाहर, चोट ने रोका सफर

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** रोहित शेट्टी के एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे टीवी एक्टर गौरव खन्ना का सफर अब खत्म हो गया है। एक बेहद खतरनाक एलिमिनेशन स्टंट के दौरान गौरव की कोहनी में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद वह टास्क पूरा नहीं कर सके और उन्हें शो से बाहर होना पड़ा। उनके एलिमिनेशन से फैंस भी काफी निराश नजर आए।

इस एलिमिनेशन टास्क में गौरव खन्ना का मुकाबला रुबीना दिलैक और शगुन शर्मा से था। चुनौती इतनी खतरनाक थी कि इसे देखकर कंटेस्टेंट्स के साथ-साथ वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। स्टंट के दौरान खिलाड़ियों को पानी से काफी ऊंचाई पर बने दो संकरे पुलों के बीच बिना हार्नेस के छलांग लगाकर अलग-अलग रंगों के झंडे इकट्ठा करने थे।

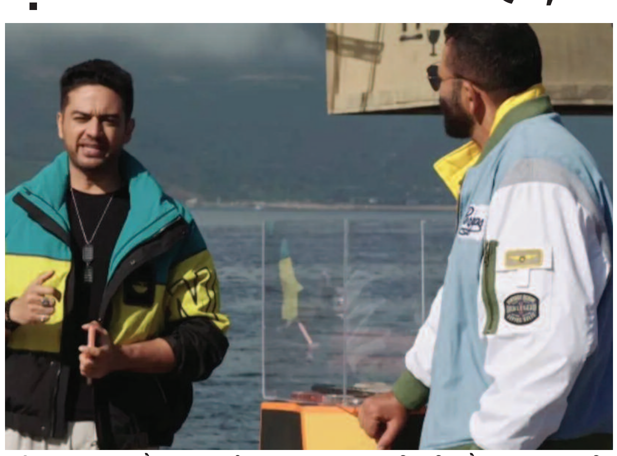

मुश्किल तब और बढ़ गई, जब इनमें से एक पुल लगातार घूम रहा था। ऐसे में खिलाड़ियों के लिए संतुलन बनाए रखना बेहद चुनौतीपूर्ण था। सबसे पहले शगुन शर्मा ने स्टंट किया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 झंडे हासिल किए। इसके बाद रुबीना दिलैक ने चुनौती पूरी करते हुए 5 झंडे जुटाए।

अब बारी थी गौरव खन्ना की। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ स्टंट शुरू किया, लेकिन अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे पानी में जा गिरे। पानी से बाहर निकलने के लिए सीढ़ी पकड़कर ऊपर चढ़ते समय उनकी कोहनी में जोरदार चोट लग गई। दर्द इतना बढ़ गया कि गौरव आगे स्टंट जारी नहीं रख सके। इसके बाद रोहित शेट्टी ने बताया कि गौरव पहले से ही 'टेनिस एल्बो' की समस्या से जूझ रहे थे और इस स्टंट के दौरान उनकी चोट और गंभीर हो गई।

शो से बाहर होते समय गौरव काफी भावुक नजर आए। उन्होंने फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल और ओरी के साथ अपनी खास बॉन्डिंग को याद किया। उनके एलिमिनेशन के बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके जज्बे और खेल भावना की जमकर तारीफ की। गौरव इस सीजन में इससे पहले भी चोट का सामना कर चुके हैं। पेलेट गन वाले एक टास्क के दौरान उनकी पीठ पर गहरे नीले निशान पड़ गए थे। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी और लगातार खतरनाक स्टंट करते रहे। यही वजह है कि शो से बाहर होने के बावजूद गौरव ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना ली है।

## ट्राई सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को झटका

### ग्यारह टी-20 मैच खेल चुका खिलाड़ी हुआ बाहर

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** साउथ अफ्रीका की टीम को नामीबिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 ट्राई सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज जेसन स्मिथ मांसपेशियों में खिंचाव यानी एडक्टर मसल स्ट्रेन के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। तीनों टीमों के बीच ट्राई सीरीज की शुरुआत 28 अगस्त से होगी और स्मिथ साउथ अफ्रीका की उस टीम का हिस्सा थे, जो 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भी खेल चुकी है। हालांकि, क्रिकेट साउथ

अफ्रीका ने अभी तक उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। स्मिथ की चोट की जांच की जाएगी और इसके बाद ही फैसला होगा कि वह 9 सितंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल पाएंगे या नहीं। साउथ अफ्रीका के लिए जेसन स्मिथ अब तक 11 टी20 इंटरनेशनल और 3 वनडे मैच खेल चुके हैं। टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 10 पारियों में 20.66 की औसत से 124 रन बनाए हैं, जबकि उनका स्ट्राइक रेट 119.23 का रहा है। वह अभी तक इस फॉर्मेट में कोई अर्धशतक या शतक नहीं लगा सके हैं। इसके बावजूद ट्राई सीरीज के लिए चुनी गई टीम में वह अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल थे और उनके बाहर होने से टीम के मिडिल ऑर्डर पर असर पड़ सकता है। हाल के दिनों में चोट से परेशान होने वाले साउथ अफ्रीकी खिलाड़ियों में स्मिथ तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे, जबकि सेनुरन मुथुसामी कमर में जकड़न के कारण साउथ अफ्रीका ए के लिए नहीं खेल पाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम 25 अगस्त को विंडहोक के लिए रवाना होगी और ट्राई सीरीज का पहला मुकाबला 28 अगस्त को नामीबिया के खिलाफ खेलेगी। टीम की कप्तानी ब्योर्न फोर्टुइन करेंगे। स्क्वॉड में डेवाल्ड ब्रेविस, ईथन बॉश, टोनी डी जोरजी, क्वेना मफाका, नकाबा पीटर और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

## 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में मायरा बनी राधा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** टीवी के पॉपुलर शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अब कहानी नया मोड़ लेने वाली है। अभिरा और अरमान के बाद उनकी बड़ी बेटी मायरा की लव स्टोरी शुरू हो गई है। मायरा और कबीर एक-दूसरे को पसंद करने लगे हैं, लेकिन परिवारों के बीच पुरानी दुश्मनी के चलते दोनों अपने प्यार को छिपा रहे हैं। आने वाले एपिसोड में जन्माष्टमी के मौके पर इस छिपे हुए रिश्ते का राज खुलने वाला है। कहानी में दिखाया जाएगा कि पोद्दार परिवार जन्माष्टमी का कार्यक्रम आयोजित न कर पाने से परेशान है। इसी बीच अरमान और दमानी के बीच टकराव बढ़ जाता है और दमानी के घर जाने को लेकर अरमान-अभिरा में भी बहस होती है। इसका असर मायरा और मुक्ति पर पड़ता है, क्योंकि दोनों अपने माता-पिता को लड़ते हुए देखती हैं। दूसरी ओर, जन्माष्टमी के मौके पर कबीर मायरा से अपने दिल की बात कहने वाला है। मायरा भी कबीर से प्यार करने लगी है, लेकिन परिवार के कारण उससे दूरी बनाने की कोशिश करती है। इस बीच अभिरा को मायरा के बदले हुए व्यवहार पर शक होने लगता है। मायरा अचानक कृष्ण, जन्माष्टमी और भोग से जुड़ी बातें करने लगती है, जिससे अभिरा समझ नहीं पाती कि आखिर बेटी के मन में क्या चल रहा है। असली ट्विस्ट तब आएगा, जब मायरा राधा का रूप धारण कर डांस करेगी और कबीर भी उसके साथ शामिल हो जाएगा। दोनों को साथ देखकर अभिरा को बड़ा झटका लगेगा और उसे एहसास होगा कि कबीर उसकी बेटी मायरा से प्यार करता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि अभिरा इस रिश्ते को स्वीकार करती है या परिवार की दुश्मनी मायरा और कबीर के प्यार के बीच बड़ी दीवार बनती है।

## शहनील गिल के आरोपों पर भड़कीं पारुल गुलाटी

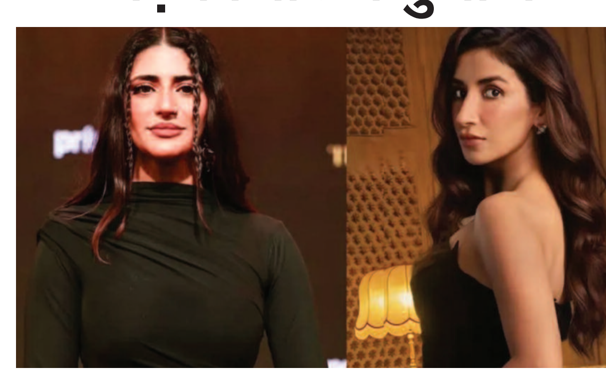

### 'द ट्रेटर्स 2' में फिक्सिंग को लेकर छिड़ा विवाद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' को लेकर अब नया विवाद खड़ा हो गया है। क्रिकेटर शुभमन गिल की बहन शहनील गिल ने शो के गेम पर सवाल उठाते हुए फिक्सिंग के आरोप लगाए हैं। शहनील ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा, "गट के पास सोर्स था, इफ यू नो यू नो।

उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को पारुल गुलाटी से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, शो में पारुल कई बार अपनी 'गट फीलिंग' के आधार पर कंटेस्टेंट्स को ट्रेटर बताती नजर आई थीं। उन्होंने क्रिस्टल डिसूजा और हरमन सिंह को भी ट्रेटर होने का दावा किया था और दूसरे खिलाड़ियों को अपनी बात मानने के लिए मनाती थीं। पारुल के लगातार सही अंदाजे लगाने के बाद अब शहनील के बयान ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर उन्हें इतनी सटीक जानकारी कैसे मिल रही थी। आरोपों के बीच पारुल गुलाटी ने भी सोशल मीडिया पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि उनके खिलाफ "सर्कल ऑफ शक" चल रहा है, लेकिन बड़ी बात यह है कि वह इस बार भी "इनोसेंट" हैं। हालांकि, पारुल ने किसी का नाम नहीं लिया। बता दें कि पारुल खुद 'द ट्रेटर्स 2' से बाहर हो चुकी हैं। उनसे पहले मुनव्वर फारुकी और बाद में अभिषेक मल्हान और रणवीर बरार जैसे कंटेस्टेंट्स भी शो से बाहर हुए। अब शहनील के आरोपों और पारुल के जवाब ने शो की रणनीति और निष्पक्षता को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

# ईडी ने फर्जी आईटीसी मामले में नौ ठिकानों पर मारे छापे

### तीन शहरों में ईडी टीम ने सुबह शुरू की कार्रवाई

### फर्जी चालान से करोड़ों रुपये के आईटीसी का मामला

**यूनिक समय, लखनऊ।** फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल करने और उसे आगे स्थानांतरित करने के आरोपों की जांच में प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय की टीमों ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा के तीन शहरों में कुल नौ ठिकानों पर तलाशी शुरू की।

यह कार्रवाई मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और फरीदाबाद में की जा रही है। मामला जम्बूद्वीप एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स लिमिटेड से जुड़ा बताया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, संबंधित इकाई पर वास्तविक माल की आपूर्ति किए बिना फर्जी चालान और ई-वे बिल तैयार कर इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल करने तथा उसे दूसरी इकाइयों तक पहुंचाने का आरोप है।

जांच में कथित तौर पर कई कागजी कंपनियों के माध्यम से लेनदेन किए जाने, धनराशि को अलग-अलग खातों में भेजने और बाद में नकदी निकालने के संकेत मिले हैं। तलाशी के दौरान अधिकारी दस्तावेज, वित्तीय अभिलेख और अन्य संबंधित सामग्री की जांच कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, जीएसटी जांच में करीब 9.63 करोड़ रुपये का आईटीसी कथित तौर पर गलत तरीके से हासिल करने और 10.28 करोड़ रुपये का आईटीसी आगे बढ़ाने की जानकारी सामने आई थी। तलाशी में मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# स्कूल में मच्छर ने बच्ची को काटा, डीएम से शिकायत

### पिता ने स्कूल की साफ-सफाई व्यवस्था पर उठाए सवाल

### शिकायत के बाद फॉगिंग कराने के लिए गए निर्देश

**यूनिक समय, मुरादाबाद।** कांठ रोड स्थित शिरडी साईं पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली छह वर्षीय बच्ची को मच्छर काटने के मामले में उसके पिता ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। बच्ची के पिता डॉ. सोनू सिंह एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा में सहायक प्रोफेसर हैं। उन्होंने 19 अगस्त को जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया को ई-मेल भेजकर स्कूल की साफ-सफाई और बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

पिता के मुताबिक, उनकी बेटी एलकेजी में पढ़ती है। पहली बार स्कूल में मच्छर काटने पर उन्होंने विद्यालय की डायरी में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। इसके बाद बच्ची को दोबारा मच्छर ने काट लिया। इससे चिंतित होकर उन्होंने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की।

डॉ. सोनू सिंह ने कहा कि अभिभावक बच्चों को विद्यालय के भरोसे छोड़ते हैं। स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मच्छर के काटने से बच्ची बीमार होती है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने बताया कि वे कई वर्षों तक अमेरिका में तंत्रिका विज्ञान से जुड़े विषयों पर शोध कर चुके हैं, इसलिए मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के खतरे को समझते हैं।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को मामले में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक ऋतु तोमर ने संबंधित विद्यालय में फॉगिंग कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्देशों का पालन नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी।

# लखनऊ पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त, पुरानी यादों में डूबे

### कॉल्विन कॉलेज में छात्रों से साझा किए जीवन के अनुभव

### चुनावी पारदर्शिता और बूथ अधिकारियों की भूमिका बताई महत्वपूर्ण

**यूनिक समय, लखनऊ।** भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे। राजधानी पहुंचने के बाद उन्होंने अपने पुराने शिक्षण संस्थान कॉल्विन तालुकदार्स कॉलेज का दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। संस्थान पहुंचकर वह भावुक नजर आए और छात्र जीवन से जुड़ी यादें साझा कीं।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि लखनऊ से उनका गहरा और पुराना संबंध है। यहीं से उन्होंने शुरुआती शिक्षा हासिल की और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा पाई। उन्होंने लखनऊ को अपनी कर्मभूमि बताते हुए कहा कि कॉलेज में बिताए समय ने उन्हें अनुशासन, ज्ञान और विपरीत परिस्थितियों में चुनौतियों का सामना करने का साहस दिया।

छात्रों से बातचीत के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में मतदाताओं के साथ चुनावी व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों की भी अहम भूमिका है। उन्होंने बूथ स्तर के अधिकारियों को लोकतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी बताया और उनकी जिम्मेदारियों को रेखांकित किया। कॉलेज परिसर में पहुंचने पर उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन और कठिन परिस्थितियों से सीख लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम के बाद वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के लिए रवाना हुए। संवाद के दौरान 'जेन-जी' से जुड़े सवाल पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की।

# जनता दर्शन में पूनम ने मांगी गोपालन की मदद

### मुख्यमंत्री ने योजनाओं का लाभ दिलाने के दिए निर्देश

### मुख्यमंत्री ने गोसेवा के लिए पूनम को प्रोत्साहित किया

**यूनिक समय, लखनऊ।** जनता दर्शन में सीतापुर के हरगांव क्षेत्र की रहने वाली पूनम देवी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर गोपालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की इच्छा जताई। उन्होंने बताया कि उनके पास पहले से पांच गाय हैं और अतिरिक्त गोवंश रखने के लिए पर्याप्त स्थान भी उपलब्ध है। उन्होंने और गाय उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनकर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर मुख्य सचिव पशुधन को पूनम देवी को निराश्रित गाय उपलब्ध कराने तथा मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत मिलने वाली सहायता का लाभ दिलाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने पूनम को गोसेवा के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मन लगाकर सेवा करने से जीवन की बाधाओं और परेशानियों को दूर करने में सहायता मिलती है। पूनम ने अपनी इच्छा पूरी करने की दिशा में पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

जनता दर्शन में एक दिव्यांग व्यक्ति ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत मुख्यमंत्री के सामने रखी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मामले की जांच कराकर नियमानुसार समाधान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जनता की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने को भी कहा।

# आगरा में रॉन्ग साइड कार ने दो भाइयों को कुचला

### छोटे भाई की मौत, बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल

### हादसे के बाद कार छोड़कर आरोपी मौके से भागे

**यूनिक समय, आगरा।** लोहामंडी क्षेत्र में देर रात तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो भाइयों को टक्कर मार दी। हादसे में छोटे भाई शाकिर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बड़ा भाई बंटी गंभीर रूप से घायल है। उसका उपचार अस्पताल में चल रहा है।

परिजनों के अनुसार, 23 अगस्त की रात बंटी को पथरी का तेज दर्द उठा था। छोटा भाई शाकिर उसे इंजेक्शन लगवाने के लिए टंडन अस्पताल लेकर गया था। रात करीब दो बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। घर से करीब 500 मीटर पहले मदिया कटरा तिराहे के पास सामने से गलत दिशा में आ रही तेज रफ्तार एक्सयूवी ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद दोनों भाई काफी दूर तक घिसटते चले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां चिकित्सकों ने शाकिर को मृत घोषित कर दिया। बंटी की हालत गंभीर बताई गई है।

बताया गया है कि कार सवार दोनों लोग वाहन छोड़कर भाग गए। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार कब्जे में ले ली है। वाहन में शराब की खाली बोतलें मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

# अस्पताल की छत का प्लास्टर गिरा बच्चे की उपचार के दौरान मौत

### इमरजेंसी में भर्ती था दस वर्षीय गंभीर घायल हुआ बच्चा

### शासन ने मांगी रिपोर्ट तीन दिन में जांच पूरी

**यूनिक समय, आगरा।** एसएन मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग की इमरजेंसी में छत का प्लास्टर गिरने से घायल हुए दस वर्षीय बच्चे उमैर की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा कुछ दिन पहले हुआ था। घटना के समय उमैर इमरजेंसी में भर्ती था और जिस स्थान पर प्लास्टर गिरा, वहीं उसका उपचार चल रहा था।

मौके पर मौजूद तीमारदारों के अनुसार, अचानक छत का प्लास्टर सीधे उमैर के ऊपर गिर गया। पास बैठी उसकी मां बाल-बाल बच गई। हादसे में केवल बच्चे को चोट लगी। घटना के बाद इमरजेंसी में भर्ती अन्य बच्चों को बाल रोग विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया। तीमारदारों ने आशंका जताई कि प्लास्टर गिरने से लगी चोट ने बच्चे की हालत बिगाड़ने में भूमिका निभाई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए शासन ने अस्पताल से रिपोर्ट मांगी है। एसएन मेडिकल कॉलेज में विभिन्न भवनों की स्थिति जांचने के लिए समिति गठित की गई है। इसमें उप प्राचार्य समेत चिकित्सक और लोक निर्माण विभाग के अभियंता शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि बच्चे के उपचार और जांच से संबंधित सभी अभिलेख शासन को भेज दिए गए हैं। समिति तीन दिन में अपनी जांच रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

# तेज बारिश से कई राज्यों में बिगड़े हालात

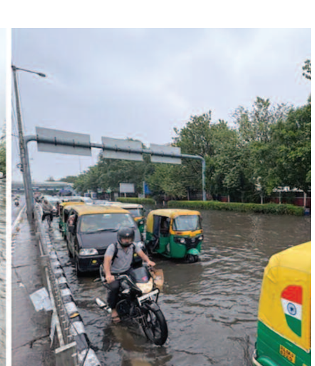

### दिल्ली-एनसीआर में जलभराव, उड़ानों पर भी पड़ा असर

### यूपी-मध्यप्रदेश में नदियां उफनीं जनजीवन हुआ प्रभावित

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में सोमवार को तेज बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ। दिल्ली में खराब मौसम के चलते हवाई यातायात पर भी असर पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे से 15 उड़ानों का मार्ग बदला गया, जबकि कई उड़ानें रद्द होने और बड़ी संख्या में विलंबित होने की सूचना है। राजधानी के संगम विहार, दुर्गा विहार और कनॉट प्लेस समेत कई इलाकों में जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। सड़कों पर पानी भरने से वाहन फंस गए और यातायात प्रभावित रहा।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। वाराणसी में गंगा का पानी बढ़ने से दशाश्वमेध घाट स्थित पुलिस चौकी पानी में डूब गई।

प्रयागराज में दारागंज घाट का श्मशान क्षेत्र जलमग्न होने के बाद अंतिम संस्कार सड़क किनारे करने की स्थिति बनी। ललितपुर में तेज बहाव के कारण पुल पानी में डूब गया और एक बाइक बह गई। गाजियाबाद में भी कई सड़कों पर पानी भर गया।

मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। अशोकनगर में युवक बाइक समेत बह गया। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में महिला पर बिजली गिरने से मौत हो गई, जबकि अन्य जिलों में भी बारिश से हादसे हुए हैं।

# अमरावती अस्पताल के नवजात वार्ड में लगी आग, तीन की मौत

## वेंटिलेटर में धमाके के बाद वार्ड में आग फैल गई

## छह नवजात झुलसे बच्चों को दूसरे अस्पताल भेजा गया

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल में सोमवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष में अचानक आग लगने से तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई। हादसे के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में चीख-पुकार शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार घटना तड़के करीब साढ़े तीन बजे हुई। बताया जा रहा है कि नवजात कक्ष में रखे एक जीवनरक्षक उपकरण में अचानक धमाका हुआ, जिसके बाद आग और धुआं तेजी से पूरे कक्ष में फैल गया। घटना के समय वहां गंभीर स्थिति में भर्ती 39 नवजात शिशु मौजूद थे।

धमाके की आवाज सुनकर ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। कर्मचारियों ने कई बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद अग्निशमन दल भी मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हादसे में तीन नवजात आग और धुएं की चपेट में आकर दम तोड़ बैठे। वहीं छह बच्चों के झुलसने की सूचना है। गंभीर रूप से घायल नवजातों को उपचार के लिए पास के विशेष अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

घटना के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष करीब एक वर्ष पहले शुरू किया गया था। इतने कम समय में आग की बड़ी घटना सामने आने के बाद अग्निसुरक्षा व्यवस्था और चिकित्सा उपकरणों के रखरखाव की जांच की मांग उठ रही है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटना के कारणों की जांच में जुटे हैं।

# घाटी में धमकी भरे पत्र से कश्मीरी पंडितों में बढ़ी चिंता

## वायरल पत्र में नाम-पते और वाहनों की जानकारी होने का दावा

## सुरक्षा को लेकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग उठी

Rakesh Handu
@handu_rake9885
Follow
@India_NHRC @PMOIndia @manojsinha_ @OfficeOfLGJandK @CM_JnK @AmitShah @AmitShahOffice @DivComKash Another threat letter with in being circulated on Social Media.
How far Minority's especially @allpmforum have to face such threats ?
UNITED LIBERATION COUNCIL
Assalamu'Alaikum,
August 23rd, 2026

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों और विस्थापित कर्मचारियों को कथित धमकी देने वाला एक पत्र सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पत्र कथित तौर पर 'यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल' के नाम से जारी किया गया है। इसमें कुछ लोगों के नाम, निवास स्थान और वाहनों से जुड़ी जानकारी का उल्लेख होने का दावा किया जा रहा है।

पत्र सामने आने के बाद कश्मीरी पंडित समुदाय में आक्रोश है। समुदाय से जुड़े लोगों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों से तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

बताया गया है कि सामाजिक माध्यमों पर कुछ लोगों ने पत्र को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की अपील की है। हालांकि, पत्र की प्रमाणिकता और इसके पीछे मौजूद लोगों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है।

गौरतलब है कि घाटी में कार्यरत कश्मीरी पंडितों और अन्य विस्थापित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर पहले भी चिंता जताई जाती रही है। हाल के दिनों में प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए कर्मचारियों को कुछ आधिकारिक गतिविधियों से राहत दी थी।

ऐसे में कथित धमकी पत्र के प्रसार ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकारियों से मामले की सत्यता की जांच कर स्थिति स्पष्ट करने की उम्मीद है।

# गणेश जुलूस में अंडे फेंकने पर मंत्री ने जताया आक्रोश

## मझगांव में घटना के बाद पुलिस जांच में जुटी

## नितेश राणे ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग उठाई

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के मुंबई स्थित मझगांव में गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के दौरान कथित तौर पर अंडे फेंके जाने के बाद तनाव की स्थिति बन गई। घटना के बाद दो पक्षों के बीच विवाद की सूचना सामने आई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि धार्मिक जुलूस के दौरान इस तरह की हरकतें माहौल बिगाड़ने वाली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं के पीछे एक विशेष मानसिकता काम करती है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

राणे ने धार्मिक त्योहारों के दौरान सभी समुदायों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक आयोजन में बाधा डालने या विवाद पैदा करने वाली गतिविधियों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

मंत्री ने अपने बयान में सांप्रदायिक सौहार्द का मुद्दा भी उठाया और कहा कि त्योहारों के दौरान सभी समुदायों को एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने पुलिस और प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रशासन ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

# सरकारी कार्यालय में शाही जन्मदिन, अधिकारी को नोटिस

## हाथी पर सवार होकर पहुंचे सहायक यंत्री वीडियो हुआ वायरल

## नोटों जैसी डिजाइन वाले केक पर भी उठे सवाल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वल्लभनगर जोन में सहायक यंत्री रविकांत मालवीय का जन्मदिन शाही अंदाज में मनाने का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। वायरल वीडियो में सहायक यंत्री हाथी पर सवार होकर ढोल-नगाड़ों के बीच कार्यालय पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान कर्मचारियों और परिचितों ने कार्यालय परिसर में जन्मदिन का जश्न मनाया।

वीडियो में कार्यालय के बाहर लोगों को नाचते हुए भी देखा जा सकता है। इसके बाद सहायक यंत्री ने ऐसा केक काटा, जिसकी सजावट पांच-पांच सौ रुपये की नोटों की गड्डियों जैसी दिखाई दे रही थी।

सरकारी कार्यालय में इस तरह के आयोजन का वीडियो सामने आने के बाद विभागीय कार्यशैली को लेकर सवाल उठने लगे। बताया गया कि जन्मदिन का आयोजन पिछले सप्ताह किया गया था। सामान्य तौर पर रविवार को सरकारी कार्यालय बंद रहते हैं, लेकिन इस आयोजन में बड़ी संख्या में कर्मचारी और परिचित शामिल हुए। वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद मामला अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा।

विभाग के अधीक्षण यंत्री वीके मालवीय ने कहा कि सरकारी कार्यालय में इस तरह जन्मदिन मनाना उचित नहीं है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सहायक यंत्री रविकांत मालवीय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न होने की हिदायत दी है।

# सैंडविच में जिंदा कीड़ा मिलने से मचा हड़कंप

## वीडियो सामने आने पर रेस्तरां की स्वच्छता पर उठे सवाल

## प्रबंधन ने घटना पर माफी मांगकर सुधार का भरोसा दिया

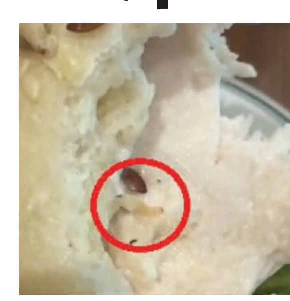

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** गुरुग्राम के एक चर्चित रेस्तरां में परोसे गए सैंडविच में जिंदा कीड़ा मिलने का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ग्राहकों में नाराजगी है और रेस्तरां की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

वायरल वीडियो साझा करने वाले व्यक्ति के अनुसार, उनका समूह सुबह के समय नाश्ता करने रेस्तरां पहुंचा था। समूह ने कई व्यंजन मंगाए थे। इसी दौरान सैंडविच खाते समय उसमें सफेद रंग का जिंदा कीड़ा दिखाई दिया। बताया गया कि करीब आधा सैंडविच खाने के बाद कीड़ा नजर आया, जिसके बाद वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। घटना के बाद रेस्तरां में कुछ समय के लिए हंगामे की स्थिति बन गई। ग्राहक ने खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर नाराजगी जताई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सामाजिक माध्यमों पर भी लोगों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और रसोई की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। मामला सामने आने के बाद रेस्तरां प्रबंधन ने ग्राहक से माफी मांगी है। प्रबंधन की ओर से कहा गया कि ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी। फिलहाल संबंधित विभाग की ओर से किसी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

# सिम कार्ड रखने के नियम बदले, अतिरिक्त नंबरों पर होगी सख्ती

## नई व्यवस्था में नौ सिम तक रखने की सीमा लागू

## अतिरिक्त नंबरों की जांच कर बंद करने की तैयारी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मोबाइल सिम कार्ड रखने और नया कनेक्शन लेने को लेकर 24 अगस्त से नियमों को सख्ती से लागू किया गया है। नई व्यवस्था के तहत एक व्यक्ति के नाम पर निर्धारित सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन नहीं रखे जा सकेंगे। देश के अधिकांश हिस्सों में यह सीमा नौ सिम की है, जबकि जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर राज्यों में अधिकतम छह सिम रखने की अनुमति है।

अब नया सिम जारी करने से पहले दूरसंचार कंपनियों को ग्राहक के नाम पर पहले से पंजीकृत मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी जांचनी होगी। यदि ग्राहक निर्धारित सीमा तक पहुंच चुका है तो उसे नया सिम नहीं दिया जाएगा। इससे अलग-अलग कंपनियों या राज्यों से अतिरिक्त सिम लेने की कोशिशों पर भी रोक लगेगी।

जिन लोगों के नाम पर पहले से निर्धारित संख्या से अधिक सिम दर्ज हैं, उनके सभी नंबर तुरंत बंद नहीं किए जाएंगे।

ऐसे ग्राहकों को अतिरिक्त नंबर बंद कराने, वापस करने या किसी अन्य व्यक्ति के नाम स्थानांतरित कराने का विकल्प दिया जा सकता है। निर्धारित सीमा में नहीं आने वाले अतिरिक्त कनेक्शनों पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

पुराने या इस्तेमाल में नहीं आने वाले मोबाइल नंबर भी ग्राहक की कुल सीमा में शामिल होंगे।

इसलिए नया सिम लेने से पहले अपने नाम पर दर्ज सभी नंबरों की जानकारी रखना जरूरी है। ग्राहक दूरसंचार विभाग के संचार साथी माध्यम से अपने नाम पर पंजीकृत मोबाइल कनेक्शनों की जांच कर सकते हैं। अनजान नंबर मिलने पर उसे चिन्हित कर कार्रवाई कराई जा सकती है। सरकार का उद्देश्य फर्जी सिम, पहचान की चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाना है।

# मधेपुरा के सिंहेश्वर मंदिर में भीड़ बढ़ी, अफरा-तफरी से कई घायल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** सावन के अंतिम सोमवार को सिंहेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह भीड़ बढ़ने के बाद मंदिर परिसर में धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। कुछ श्रद्धालु गिरकर घायल हो गए। बताया गया कि रविवार रात से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था। सोमवार सुबह भीड़ का दबाव बढ़ने पर प्रशासन ने मुख्य द्वार को कुछ समय के लिए बंद कर श्रद्धालुओं को कतारबद्ध किया। अतिरिक्त पुलिस बल की मदद से व्यवस्था नियंत्रित की गई। करीब आधा दर्जन श्रद्धालुओं के घायल होने की जानकारी सामने आई। एक पुलिसकर्मी भी ड्यूटी के दौरान चोटिल हुआ। घायलों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी अभिषेक रंजन ने कहा कि मंदिर में भगदड़ नहीं हुई। कुछ श्रद्धालु गर्मी और पानी की कमी से अस्वस्थ हुए, जबकि कुछ को गिरने से हल्की चोट लगी। पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह ने भी बैरिकेडिंग सुरक्षित होने की बात कही। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य और शांति बनाए रखने की अपील की।

# रक्षाबंधन के लिए सजे बाजार ग्राहकों की राह ताक रहे दुकानदार

## राखियों की नई डिजाइन से सजा बाजार

## दुकानदारों को बिक्री बढ़ने की उम्मीद

शहर के कृष्णानगर में सजी दुकान पर राखी पसंद करती महिला।

**यूनिक समय, मथुरा।** रक्षाबंधन पर्व को लेकर शहर के बाजारों में रौनक दिखाई देने लगी है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को रंग–बिरंगी राखियों से सजा दिया है। बाजारों में अलग–अलग डिजाइन, रंग और आकार की राखियां ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। हालांकि पर्व में अभी कुछ दिन शेष होने के कारण दुकानदारों को खरीदारी में तेजी आने का इंतजार है। व्यापारियों का कहना है कि रक्षाबंधन से एक–दो दिन पहले बाजारों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है। शहर और कस्बों के प्रमुख बाजारों में राखियों की दुकानें सज गई हैं। दुकानदारों ने बच्चों से लेकर युवाओं और महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की राखियां मंगाई हैं। इनमें पारंपरिक धागे वाली राखियों के साथ आकर्षक डिजाइन और सजावटी राखियां भी शामिल हैं। कई दुकानों पर छोटे बच्चों के लिए कार्टून पात्रों और रंग–बिरंगे आकार वाली राखियां भी उपलब्ध हैं।

दुकानदारों के अनुसार, इस बार बाजार में कुछ नई डिजाइन की राखियां भी आई हैं। इनमें मोती, रुद्राक्ष, चंदन और सजावटी सामग्री से तैयार राखियों की मांग रहने की उम्मीद है। भाई–बहन के रिश्ते को खास बनाने के लिए कई दुकानदारों ने राखियों के साथ उपहार पैक भी तैयार किए हैं। इससे ग्राहकों को एक ही स्थान पर राखी और उपहार खरीदने की सुविधा मिल रही है। व्यापारियों का कहना है कि अभी बाजार में ग्राहकों की आवाजाही सामान्य है। ज्यादातर लोग पर्व नजदीक आने का इंतजार कर रहे हैं। रक्षाबंधन से पहले अंतिम दिनों में खरीदारी बढ़ने की संभावना है। दुकानदारों ने मांग को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में राखियों का भंडारण किया है, ताकि ग्राहकों को पसंद के अनुसार विकल्प मिल सकें। रक्षाबंधन को लेकर कपड़े और उपहार की दुकानों पर भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि पर्व नजदीक आने के साथ बाजारों में खरीदारी बढ़ेगी।

## कोसीकलां में रक्षाबंधन को लेकर सजे बाजार

**यूनिक समय, कोसीकलां।** रक्षाबंधन से पहले नगर के बाजार राखियों के साथ सजने लगे हैं। स्थानीय दुकानदारों ने कहा कि रक्षाबंधन से एक–दो दिन पहले ही बाजारों में राखियां लेने के लिए लोगों की आवाजाही शुरू हो जाती है। दुकानदारों ने कहा कि इस बार कई नई तरह की राखियां बाजार में उपलब्ध है जिससे ग्राहक भी आकर्षित होंगे।

# स्वरोजगार और अधिकारों को लेकर दिव्यांगों की प्रशासन से गुहार

सोमवार को डीएम को ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट आए दिव्यांगजन।

**यूनिक समय,मथुरा।** सोमवार को दिव्यांगों के स्वरोजगार, आर्थिक सहायता और अधिकारों को लेकर राष्ट्रीय दिव्यांग सेना ने जिला प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। संगठन की ओर से डीएम को दिए गए ज्ञापन में दिव्यांगजनों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि कई दिव्यांगजन आर्थिक कठिनाइयों के कारण रोजगार के पर्याप्त अवसरों से वंचित हैं। ऐसे लोगों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए आसान प्रक्रिया के साथ आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने की जरूरत है। संगठन ने प्रशासन से यह भी मांग की है कि पात्र दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समय पर दिलाया जाए। साथ ही उनकी शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए, ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। राष्ट्रीय दिव्यांग सेना का कहना है कि दिव्यांगजनों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर मिलने से वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकेंगे। संगठन ने प्रशासन से दिव्यांगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है। इस दौरान दिव्यांग सेना के पदाधिकारी मौजूद रहे।

# चीनी की जमाखोरी चरम पर आपूर्ति विभाग ने नहीं की गोदामों की जांच

**यूनिक समय, कोसीकलां।** रक्षाबंधन और जन्माष्टमी पर्व नजदीक आते ही नगर में चीनी की जमाखोरी शुरू हो गई है, लेकिन आपूर्ति विभाग ने अभी तक कोई अभियान चलाकर गोदामों में स्टॉक की जांच नहीं की है, जिससे जमाखोरों के हौसले बुलंद हैं।

नगर के बड़े किराना व्यापारी और थोक विक्रताओं ने गोदामों में चीनी का भारी स्टॉक जमा कर लिया है। बाजार में कृत्रिम किल्लत दिखाकर चीनी के दाम 52 रुपये से बढ़ाकर 68 से 70 रुपये प्रति किलो तक कर दिए गए हैं। आम उपभोक्ता महंगी चीनी खरीदने को मजबूर है। नियमानुसार किसी भी थोक व्यापारी को तय सीमा से अधिक चीनी का स्टॉक रखने की अनुमति नहीं है और उसे हर दिन स्टॉक बोर्ड लगाना अनिवार्य है, लेकिन नगर में इसका पालन नहीं हो रहा। गोदामों में क्विटलों चीनी छिपाकर रखी गई है।

सूत्रों के अनुसार, आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से ही यह खेल चल रहा है। विभाग ने पिछले कई महीनों से किसी भी गोदाम की जांच नहीं की है।

## गोपाष्टमी के बाद होंगे श्रीकृष्ण गौशाला समिति के चुनाव

**यूनिक समय, कोसीकलां।** श्रीकृष्ण गौशाला समिति की बैठक सराय शाही स्थित संरक्षक मंडल के सदस्य भगवत मित्तल के आवास पर हुई। बैठक में वार्षिक चुनाव, आय–व्यय के लेखा–जोखा और हाईवे स्थित नवनिर्मित गौशाला के निर्माण को लेकर चर्चा की गई। समिति ने निर्णय लिया कि गोपाष्टमी पर्व के दो दिन बाद समिति का द्वावार्षिक चुनाव कराया जाएगा। चुनाव से पहले सभी पुराने सदस्यों की सदस्यता का नवीनीकरण और नए सदस्यों को जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दूध की बिक्री में करीब चार लाख रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके साथ ही गौशाला में चारे की उपलब्धता और गोवंश के लिए सर्दी से बचाव के इंतजामों पर भी चर्चा हुई।

# लापता किशोरी की बरामदगी को लेकर कोसी थानेदार से मिले व्यापारी नेता

**यूनिक समय, कोसीकलां।** नगर से लापता हुई लड़की की बरामदगी को लेकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल और श्री अग्रवाल सभा कोसीकलां के संयुक्त नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को थाना थानाध्यक्ष से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने थानाध्यक्ष कमलेश कुमार से वार्ता कर लड़की की जल्द से जल्द बरामदगी का दबाव बनाया, ताकि परेशान परिवार को तसल्ली मिल सके। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी भी मौजूद रहे। मामले में थानाध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और जल्द से जल्द लड़की को बरामद कर लिया जाएगा। इस दौरान प्रदेश मंत्री संजय गर्ग बठैनिया, अग्रवाल सभा अध्यक्ष संजीव जाबिया, जिला महामंत्री ललित कुमार अग्रवाल एडवोकेट, अजय गोयंका, सोनू मंगला, मनोज अग्रवाल समाज के कई लोग उपस्थित रहे।

## कोसी में घरेलू सिलेंडरों से बन रही मिठाई, आपूर्ति विभाग नींद में

**कोसीकलां।** नगर में हलवाइयों द्वारा खुलेआम घरेलू एलपीजी सिलेंडरों से मिठाईयां बनाई जा रही हैं, लेकिन आपूर्ति विभाग आंखें मूंदे बैठा है। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है, ऐसे में मिठाई की मांग बढ़ने से घरेलू सिलेंडरों की कालाबाजारी चरम पर है। नगर के बतासा बाजार, मुख्य बाजार, पंजाबी बाजार, शेरगढ़ रोड, बठैनगेट और बस स्टैंड पर स्थित दर्जनों मिठाई की दुकानों पर सुबह से शाम तक लाल रंग के घरेलू सिलेंडरों पर कढ़ाई चढ़ी रहती है। दुकानों के अंदर और गोदामों में 10–10 घरेलू सिलेंडर स्टॉक करके रखे गए हैं, जबकि नियमानुसार इन्हें 19 किलो वाला व्यवसायिक सिलेंडर उपयोग करना चाहिए। सूत्रों की मानें तो गैस एजेंसी संचालक और आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से ही हलवाइयों को घरेलू सिलेंडर आसानी से मिल रहे हैं। एक तरफ आम उपभोक्ता को एक सिलेंडर के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है, वहीं हलवाइयों को एक फोन पर 4–5 सिलेंडर पहुंचा दिए जाते हैं। यह सीधे–सीधे आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 का उल्लंघन है, जिसमें सिलेंडर जब्ती और एफआईआर का प्रावधान है, लेकिन विभाग द्वारा आज तक एक भी सिलेंडर जब्त नहीं किया गया।

# न भद्रा की छाया, न ग्रहण का साया दिनभर सजेगी भाई की कलाई

**यूनिक समय, कोसीकलां।** भाई–बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन इस बार भद्रा के साये से मुक्त रहेगा। 28 अगस्त को बहनों को भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए किसी विशेष मुहूर्त का इंतजार नहीं करना होगा। पूरे दिन रक्षाबंधन मनाया जा सकेगा। इसी दिन लगने वाले खंड चंद्र ग्रहण का भी यहां असर नहीं रहेगा, क्योंकि यह यहां दिखाई नहीं देगा। ऐसे में इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा और धार्मिक-मांगलिक कार्य सामान्य रूप से किए जा सकेंगे। ज्योतिषाचार्य पंडित छिछ्दा शर्मा के अनुसार, इस बार रक्षाबंधन भद्रा काल से मुक्त रहेगा। 27 अगस्त को सुबह 09:08 बजे से शुरू होने वाला भद्रा काल रात 09:32 बजे समाप्त हो जाएगा। इसके बाद 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाने में भद्रा की बाधा नहीं रहेगी। पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 09:08 बजे शुरू होगी और 28 अगस्त को सुबह 09:48 बजे समाप्त होगी। हालांकि, उदय तिथि और कुलाचार के अनुसार रक्षाबंधन पूरे दिन मनाया जा सकता है।

### राहुकाल में राखी बांधने से बचें

**यूनिक समय, कोसीकलां।** 28 अगस्त को सुबह 10:31 बजे से दोपहर 12:07 बजे तक राहुकाल रहेगा। शास्त्रों के अनुसार राहुकाल में शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। इसलिए इस अवधि में राखी बांधने से बचने की सलाह दी गई है।

## वृद्धा की हुई संदिग्ध मौत

**मथुरा।** संदिग्धावस्था में हुई एक वृद्धा की मौत का कारण जानने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम  के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, वृद्धा शीला देवी (76) पत्नी परसादी निवासी महेंद्रा फॉर्म छछरौली जिला यमुना नगर हरियाणा की मोत होगई। पुलिस को इस बारे में पता लगा तो पुलिस ने मौत का साही कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

### अखाड़े सूने तो पहलवान निराश

# कोसी में रक्षाबंधन पर लुप्त हो गई दंगल की परंपरा

**यूनिक समय, कोसीकलां।** कभी रक्षाबंधन पर नगर के हिंदू इंटर कॉलेज और कृषि अनाज मंडी का मैदान पहलवानों की ताल और दर्शकों की तालियों से गूंजता था, लेकिन अब यह गौरवशाली परंपरा पूरी तरह लुप्त हो चुकी है। दंगल बंद होने से न सिर्फ अखाड़े सूने पड़े हैं, बल्कि क्षेत्र के नवयुवक पहलवान भी निराश हैं। बुजुर्ग बताते हैं कि 15–20 साल पहले तक रक्षाबंधन के दूसरे दिन हिंदू इंटर कॉलेज और अनाज मंडी में कुश्ती दंगल का आयोजन होता था। इस दंगल में हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश के नामी पहलवान भाग लेने आते थे। 500 से 51000 रुपये तक के इनामी कुश्तियां होती थीं। पूरा नगर और देहात के हजारों लोग दंगल देखने उमड़ते थे। पहलवानों की लंगोट की पकड़, दांव–पेंच और मिट्टी की खुशबू से त्योहार की रौनक दोगुनी हो जाती थी। जीतने वाले पहलवान को लाखों का इनाम, ट्रैक्टर–ट्रॉली और भैंसा तक इनाम में दिया जाता था, लेकिन पिछले 8–10 सालों से यह परंपरा धीरे–धीरे खत्म हो गई। स्थानीय पहलवान रोहताश, विनय, राहुल, माखन, उपेंद्र ने बताया कि न तो नगर पालिका ध्यान देती है और न ही कोई समाजसेवी आगे आ रहा है। इंटरनेट और मोबाइल के युग में नई पीढ़ी कुश्ती से दूर होती जा रही है, अखाड़ों में अब पहलवान की जगह सन्नाटा पसरा है। ग्रामीणों और पहलवानों ने प्रशासन से मांग की है कि रक्षाबंधन पर फिर से हिंदू इंटर कॉलेज और अनाज मंडी में दंगल की परंपरा शुरू कराई जाए, ताकि ब्रज की इस पहलवानी संस्कृति को बचाया जा सके।

### जब कन्हैया के अखाड़े में गूंजती थी पहलवानों की ताल

बुजुर्ग बताते हैं कि ब्रज में कुश्ती की परंपरा भगवान श्रीकृष्ण के समय से ही चली आ रही है। कन्हैया खुद नंदगांव–बरसाना के अखाड़ों में कुश्ती करते थे, कंस के पहलवानों को पछाड़ा था। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कोसीकलां के हिंदू इंटर कॉलेज और अनाज मंडी में जन्माष्टमी और रक्षाबंधन के दिनों में दंगल का आयोजन होता था। जन्माष्टमी के पांच दिन तक चलने वाले मेलों में ही पहलवानों की कुश्ती इस मेले की शान होती थी। लेकिन अब जन्माष्टमी पर सिर्फ डीजे और लाइटिंग रह गई है, अखाड़ों की मिट्टी सूनी पड़ी है।

# नहर किनारे झाड़ियों में खाली मिली दान पेटिका

**यूनिक समय, फरह।** गांव परखम के चामुंडा माता मंदिर से चुराई दान पेटिका बरामद हो गई है। चोर दान पेटिका को नकदी निकालने के बाद परखम गौशाला के पास नहर किनारे झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए। बीते दिन रविवार को चोरों ने मौका देखकर मंदिर की दान पेटिका पर हाथ साफ किया। वारदात के बाद पेटिका को ठिकाने लगाने के बजाय चोर नहर किनारे झाड़ियों में छोड़ गए।

मंदिर से चोरी हुई दान पेटिका के साथ पुलिसकर्मी ।

बाद में दान पेटिका मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दान पेटिका को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस अब आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के साथ ही संदिग्ध लोगों की जानकारी जुटा रही है।